हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 16 मार्च 2025

तापमान
अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

12 आपदा प्रबंधन की योजनाओं को समय पर पूरा करें अधिकारी

12 बसपा कार्यकर्ताओं ने कांशीराम को दी श्रद्धांजलि

खबर संक्षेप

कमरे का ताला तोड़कर आईफोन व नकदी चोरी

यमुनानगर। शहर की शादीपुर कॉलोनी में चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर अंदर से आईफोन व बैंक में रखे एक लाख 40 हजार रुपये कैश चोरी कर लिया। पुलिस के अनुसार जिला पलवल के गांव कोट निवासी शकील ने बताया कि वह शादीपुर में किराए के मकान में रहता है। 13 मार्च को वह कमरे का ताला लगाकर काम पर गया था। दोपहर तीन बजे जब वह वापस लौटा तो कमरे का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर कमरे से आईफोन 13 तथा बैग में रखे एक लाख 40 हजार रुपये गायब मिले।

कट्टा तानकर व्यक्ति से लूटे 1.70 लाख रुपये

यमुनानगर। रादौर की डेहा बस्ती में कुछ लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति पर देसी कट्टा तानकर उसकी कार के डैशबोर्ड में रखे एक लाख 70 हजार रुपये लूट लिए। इस दौरान आरोपियों ने उसकी गाड़ी भी तोड़ दी। गांव खरकाली निवासी हरदीप ने बताया कि वह 14 मार्च को दोपहर रादौर की डेहा बस्ती के नजदीक से जा रहा था। इस दौरान सुखबीर ने अपने पिता व आधा दर्जन अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर उस पर देसी कट्टा तान दिया और उसकी कार की डैशबोर्ड में रखे एक लाख 70 हजार रुपये लूट लिए। इस दौरान आरोपियों ने उसकी गाड़ी को भी तोड़ दिया।

सरकारी आवास से नगदी व गहने चोरी

पानीपत। थर्मल कॉलोनी स्थित सरकारी पीए संदीप मूल निवासी गांव किलोई जिला रोहतक के मकान से चोरी हो गई। संदीप ने बताया कि वे 13 मार्च को परिवार सहित घर का ताला लगाकर गांव गए थे। 15 मार्च की सुबह लौटे तो चोरी होने का पता चला। चोरों ने दो सोने की चेन, दो मंगलसूत्र, पांच अंगूठियां, तीन सोने की बालिया, दो सोने के कड़े व चांदी के पाजेब, चुटकी आदि और 56 हजार कैश भी चोरी हुआ है।

पिता व पुत्री की करंट लगने से हुई मौत

पानीपत। दीनानाथ कालोनी में बिजली का करंट लगने से पिता 47 वर्षीय वसीउद्दीन और इनकी पुत्री 13 नेहा की दर्दनाक मौत हो गई। जांच में पता चला कि वसीउद्दीन अपने निर्माणाधीन मकान में दूसरी मंजिल पर लोहे का गार्डर लेकर चढ़ रहा था। जबकि पुत्री नेता अपने पिता की मदद कर रही थी। इस दौरान गार्डर घर के बाहर से गुजर रही बिजली की लाइन को छू गया और दोनों को बिजली का तेज करंट लगा। परिजन दोनों को अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सड़क दुर्घटना में दो मौसेरे भाइयों की मौत

पानीपत। गांव आदियाना के मोड़ पर जगदीप सिंह निवासी गांव महराणा जिला पानीपत अपने मौसेरे भाई अनूप सड़क पर अचेत पडे मिले। पास ही इनकी बाइक पड़ी मिली। दोनों को सिविल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सोमनाथ ने बताया कि उसका भाई जगदीप सिंह व मौसेरे भाई अनूप, अपने रिश्तेदार से मिलने के लिए बाइक परगांव आदियाना के लिए निकले थे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

यमुनानगर। थाना छप्पर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। शहर की रामेश्वर नगर बैंक कॉलोनी निवासी मनोज कुमार बख्शी ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका लड़का 33 वर्षीय कुलदीप बक्शी अपनी बाइक से किसी काम से छप्पर आया था। रात को जब वह काम खत्म कर घर लौट रहा था तो थाना छप्पर के नजदीक अज्ञात वाहन ने उसके बेटे की बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उसके बेटे की मौत हो गई।

फर्स्ट ईयर की छात्रा समेत चार लोगों ने की आत्महत्या

होली पर्व पर यमुनानगर जिले के चार परिवारों में छाया मातम

- पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

होली पर्व के मौके पर जिले में अलग-अलग चार स्थानों पर फर्स्ट ईयर की छात्रा समेत चार लोगों ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार आजाद नगर कॉलोनी की गली नंबर तीन का रहने वाला राजेश कुमार (42) जो कि पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहा था। इसी वजह से परिवार में भी किसी के साथ ज्यादा बातचीत नहीं कर रहा था। होली के दिन होली खेलने के बाद घर से निकल गया। काफी देर तक जब वह लौट कर नहीं आया तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। इसी बीच पता चला कि राजेश ने शांति कॉलोनी के पास नहर में छलांग लगा दी है। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी तो पुलिस चौकी रामपुरा मौके पर पहुंच गई। गोताखोर की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

गांव इस्माइलपुर निवासी अमन कुमार (20) ने एक साल पहले दूसरी जाति की युवती के साथ लव मैरिज कर ली थी। जिससे परिवार के लोग खुश नहीं थे। इसलिए अमन गांव में किराये पर मकान लेकर रहने लगा था और फैक्ट्री में काम किया करता था। लेकिन पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। होलिका दहन वाली रात जब सभी लोग होलिका दहन में व्यस्त थे, तभी अमन ने घर में ही फांसी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। फंदे से अमन का शव लटका देख पत्नी की चीख निकल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और फिर परिजनों को सौप दिया है।

यमुना में डूबने से मौत

कालिंदी कॉलोनी निवासी 74 वर्षीय अमरजीत सिंह किसी बीमारी के चलते मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। सुबह नाश्ता करने के बाद वह शनि मंदिर घाट पर पश्चिम में नहर में नहाने के लिए चला गया। कपड़े किनारे पर रख दिए और जैसी वह नहाने लगा तो पैर फिसलने से वह गहरे पानी में डूब गया। आसपास के लोगों ने देखा और गोताखोरों को बुलाया। गोताखोर की मदद से जब तक उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस चौकी रामपुर इंचार्ज ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। बुजुर्ग मानसिक रूप से परेशान चल रहा था।

छात्रा ने खाया जहर

गांव पीरूवाला निवासी 19 वर्षीय ललिता बीए फस्ट ईयर की छात्रा थी। करीब आठ महीने पहले पैर फिसलने पर वह छत से गिर गई थी। जिससे उसके सिर में चोट लगी थी। तभी से उसका उपचार चल भी रहा था। लेकिन ललिता तभी से मानसिक रूप से परेशान थी। एसएचओ बिलासपुर ने बताया कि होली के दिन भी परिवार के सभी लोगों ने होली खेली लेकिन वह खामौश ही थी। शाम को उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जब तक परिजनों को पता चला देर हो चुकी थी। परिजन ललिता को लेकर अस्पताल पहुंचे लेकिन तब तक उसने दम तोड़ दिया था। ललिता का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

महिला का शव नहर में फेंका

पानीपत। पानीपत में नहर में एक महिला का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया गया। मौके पर शव की पहचान करने की कोशिश की गई। लेकिन पहचान नहीं हो सकी। शव को सिविल अस्पताल भिजवाया गया। जहां उसका पंचनामा भरवा कर शवगृह में रखवा दिया गया है। इधर, जांच में पता चला कि गांव सिवाह के पास नहर से शव को जब बाहर निकाला गया, तो देखा कि उसके गले पर दुपट्टा बांधा हुआ था। उसके हाथ-पैर, समेत शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियार से काटा हुआ था। महिला की उम्र करीब 50 से 55 साल के बीच की थी। पहचान के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फोटो शेयर की है।

करनाल में इंद्री के गांव धनोरा जागीर के पास हुआ हादसा

पश्चिमी यमुना नहर में गिरी कार, दो युवकों की मौत

- गांव सढ़ूरा निवासी संदीप व दलबीर के रूप में हुई मृतकों की पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

इंद्री के गांव धनोरा जागीर के पास पश्चिमी यमुना नहर के पुल के नजदीक एक अनियंत्रित इनोवा कार नहर में गिर गई ।

घटना के वक्त कार में दो युवक सवार थे । युवकों की पहचान गांव सढ़ूरा निवासी संदीप व गांव सढ़ूरा निवासी दलबीर के रूप मे हुई है। शनिवार को एसडीआरएफ व गोताखोरों के दल ने नहर से संदीप व दलबीर के शव को बरामद कर लिया है। इनोवा कार को हाइड्रा की सहायता से नहर से बाहर निकाला गया।

मिली जानकारी के अनुसार होली के दिन शुक्रवार देर रात एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर धनोरा जागीर के पास पश्चिमी यमुना नहर में गिर गई। ग्रामीणों को जैसे ही घटना पता लगा तो उन्होने तुरंत घटना की सूचना पुलिस दी। जिसके बाद पुलिस व गोताखोर प्रगट सिंह ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर तुरंत युवकों की तलाश के लिए नहर मे सर्च अभियान शुरू कर दिया लेकिन रात को दोनों युवकों का कोई भी पता नहीं चल सका । शनिवार को एसडीआरएफ व गोताखोरों के दल ने संदीप व दलबीर का शव नहर से बरामद कर लिए गए। पुलिस ने शवो को करनाल पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच शुरू कर दी है इस मामले में इंद्री थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और गोताखोरों की सहायता से नहर में सर्च अभियान चलवाया।

शनिवार को दोनों युवकों संदीप और दलबीर के शव नहर से मिल गए। दोनों के शवों को करनाल पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच शुरू कर दी है ।

इंद्री। गांव धनोरा जागीर के पास पश्चिमी यमुना नहर में गिरे युवकों को ढूंढते गोताखोर तथा पास खड़े ग्रामीण ।

करीब 15 घंटे तक चलाया सर्च अभियान

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने रात करीब 11 बजे सर्च अभियान शुरू कर दिया। लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी। शनिवार सुबह करीब 10 बजे पुलिस को संदीप का शव बरामद हुआ। लेकिन दलबीर और गाड़ी का पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस ने एसडीआरएफ के जवानों की सहायता से गाड़ी की तलाश शुरू की। करीब 2 बजे पुलिस ने हाइड्रा की सहायता से गाड़ी को निकाला तो उससे दलबीर का शव बरामद हुआ।

छात्रा से दुष्कर्म करने के आरोपी को उम्रकैद

- युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने का लगाया गया था आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र की अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायाधीश की अदालत ने दुष्कर्म करने के आरोपी जोनी वासी थाना सदर पेहवा एरिया को उम्र कैद व जुर्माने की सजा सुनाई है।

जिला न्यायवादी ने बताया कि 3 सितम्बर 2021 को थाना सदर पेहवा एरिया वासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि 3 सितम्बर को उसकी 17 वर्षीय बेटी स्कूल में दाखिला करवाने के लिए गई थी। वह शाम तक घर नहीं पहुंची। उसे शक है कि जोनी नाम का लड़का उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया है। जिसकी शिकायत पर थाना सदर पेहवा में मामला दर्ज करके आरोपी व नाबालिग की तलाश की गई।

किशोरी की बरामदगी पर आरोपी किया गिरफ्तार

18 अक्टूबर 2021 को नाबालिग लड़की को बरामद किया गया तथा नाबालिग लङकी के ब्यान न्यायालय में कलमबद करवाए गए। मामले में पोक्सो एक्ट की धारा 6 तथा आईपीसी की धारा 343,376 व 376 (ई) ईजाद की गई तथा मामले की जाँच महिला उप निरीक्षक पवनदीप को सौंपी गई। मामले की तफ्तीश के दौरान आरोपी जोनी को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया था। अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायाधीश की अदालत ने गवाहों व सबूतों के आधार पर आरोपी जोनी को दोषी करार देते हुए आईपीसी की धारा 376-ई के तहत कठोर उम्र कैद व 30 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है।

जुर्माना न भरने की सूरत में 12 माह के अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा सुनाई। आईपीसी की धारा 450 के तहत 10 साल कठोर कारावास व 20 हजार रुपये जुर्माना तथा जुर्माना न भरने की सूरत में 6 माह के अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा भुगतनी होगी।

कुरुक्षेत्र के युवक की अमेरिका में सड़क हादसे में मौत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के शांति नगर निवासी युवक की अमेरिका में रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। हादसा शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े 3 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने दूसरे ट्रक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई। इसके बाद 1 कार ट्रकों के साथ भिड़ गई। इस हादसे में 1 महिला भी जख्मी हो गई।

भाजपा नेता एडवोकेट गुरनाम मलिक ने बताया कि उनका 46 वर्षीय भाई बिक्रम सिंह उर्फ बिक्कू साल 2017 में अमेरिका गया था। बिक्के अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहता था और वहां ट्रक चलाता था। होली के दिन शाम करीब 6 उनको बिक्कू की मौत की खबर मिली थी। सूचना उसके पैतृक गांव सारसा पहुंची तो पूरे गांव में मातम छा गया। परिवार सरकार से मदद की उम्मीद कर रहा है, ताकि बिक्कू का शव जल्द भारत लाया जा सके।

लिव इन में रहकर व्यक्ति का बनाया अश्लील वीडियो

- महिला पर ब्लैकमेल कर दो लाख रुपये ऐंठ लेने का आरोप
- आरोपी महिला और उसके तलाकशुदा पति पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जगाधरी में एक महिला ने लिव इन रिलेशनशिप में रहकर व्यक्ति का अश्लील वीडियो बना लिया। बाद में महिला ने व्यक्ति को ब्लैकमेल कर उससे दो लाख रुपये ऐंठ लिए। बाद में आरोपी महिला ने अपने तलाकशुदा पति के साथ मिलकर व्यक्ति को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

पुलिस ने आरोपी महिला व उसके तलाकशुदा पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। महावीर कॉलोनी जगाधरी निवासी राजेश कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी की मृत्यु 2022 में हो गई थी, जिसके बाद वहीं पड़ोस में रहने वाली महिला शालू ने उसके साथ नजदीकियां बढ़ा ली और उसे बहका कर शारीरिक संबंध स्थापित कर लिए थे। कुछ वक्त उसके साथ लिव इन में भी रही, लेकिन अचानक से इसके बाद उसे उसके अश्लील वीडियो व फोटो दिखा कर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

अन्य लोगों को भी ठगा

आरोपी ने उससे दो लाख ले लिए। ब्लैकमेलिंग के इस खेल में उसका तलाकशुदा पति कुलबीर उर्फ काला भी साथ था। जब दोनों ने उसे ब्लैकमेल किया तो उन्होंने अपने स्तर से पता किया तो पता चला कि इन दोनों का यह धंधा है। दोनों आरोपियों ने अलग-अलग करके करीब आधा दर्जन लोगों को अपने जाल में फंसा कर उनको ब्लैकमेल कर लाखों रुपये हड़प लिए हैं।

बरसात से गेहूं की फसल को नुकसान

कुरुक्षेत्र। शुक्रवार रात मौसम में बदलाव हुआ। रात में तेज बारिश हुई। बारिश के साथ चली हवा ने खेतों खड़ी गेहूं की फसल को गिरा दिया। जमीन पर बिछी फसल का सीधा प्रभाव पैदावार पर पड़ेगा।

शुक्रवार रात्रि हुई बारिश से जिला के कई क्षेत्रों में गेहूं की फसल गिर गई है। गिरी हुई गेहूं की फसल की उत्पादकता के साथ ही गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। वहीं नीचे के खेतों में खड़ी सब्जियों में भी पानी भरने से नुकसान होगा। किसानों का कहना है कि गेहूं की फसल लगभग तैयार हो चुकी है। ऐसे में हवा के साथ तेज बारिश होने से अधिकतर गेहूं धरती पर गिर गई है। इससे गेहूं की पैदावार में कमी आने की संभावना है। गेहूं की फसल धरती पर बिछ जाने के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उधर हवा के साथ आई तेज बारिश के कारण कई इलाकों में घंटों तक बिजली सप्लाई बाधित रही।

भ्रष्टाचार की पोल खुलने पर ठेकेदार ने सफाई कर्मचारियों का काटा वेतन

- कर्मचारियों ने शहीद की प्रतिमा के पास किया रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

भ्रष्टाचार की पोल खुलने से बोखलाए ठेकेदार ने सफाई कर्मियों के वेतन पर कैंची चला दी। इसके विरोध में शनिवार को शहरी ठेका सफाई कर्मचारियों ने ड्यूटी के बाद शहीद हुए कृष्ण चंद वालिया की प्रतिमा के पास अपनों मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

कर्मचारी नेता शशांक हंस, सतीश रसौर व धर्मवीर ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि ठेकेदार व प्रशासन कर्मचारियों के हक देने की बजाय उनकी आवाज को दबाने के लिए तानाशाही पर उतर आया है। ठेकेदार ने फरवरी महीने के 15 मार्च को दिए वेतन में से हर कर्मचारी की हजारों रुपए की जबरी कटौती कर ली है। इस बारे सुपरवाइजर ने भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। सीटू नेता सतीश सेठी व सतपाल राणा ने कहा कि कर्मचारियों की जब ठेकेदार समेत नगरपालिका शासन व प्रशासन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की तो कर्मचारियों को जनता के बीच जाकर आपबीती सुनाने का पूरा हक है। आखिर कर्मचारी भी तो जनता का एक हिस्सा हैं जो शहरवासियो को बेहतर साफ सफाई की सुविधा देने में लगे हुए हैं। इसलिए सीटू ठेकेदार की इस मनमानी को किसी भी सुरत में बर्दाशत नहीं करेगा और भ्रष्टाचार की पोल जनता के बीच खोलता रहेगा।

नारायणगढ़। प्रदर्शन करते हुए सफाई कर्मचारी।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रादौर के कार्यक्रम में की शिरकत

किसानों के हित की योजनाएं चला रही सरकार

- सबसे अधिक फसलें एमएसपी पर प्रदेश में खरीदी जा रही : राणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हितों को ध्यान में रखकर योजनाएं चलाई हैं। हरियाणा देश का प्रथम राज्य है जहां पर किसानों की सबसे अधिक फसले एमएसपी पर खरीद की जा रही हैं। उन्होंने उक्त शब्द रादौर में आयोजित कार्यक्रम में कहे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बीज खाद कृषि यंत्रों पर सरकार द्वारा किसानों को अनुदान राशि भी प्रदान की जाती है। ताकि किसान को कुछ राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर उनकी सोच हमेशा किसान हित की रही है। क्योंकि वह स्वयं भी किसान परिवार से जुड़े हुए हैं और किसानों की समस्याओं से भली भांति परिचित हैं। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि रादौर अनाज मंडी के आढ़तियों ने सरसों की फसल की खरीद जल्द से जल्द करवाने की मांग उनके समक्ष रखी। उन्होंने आढ़तियों की इस मांग को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष रखा और मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि किसान बहुत ही मेहनत के साथ सरसों की फसल को तैयार करता है। सरसों की फसल को यदि समय पर खरीद नहीं किया गया तो किसानों को काफी समस्या का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि हर वर्ग के हित को ध्यान में रखकर विकासात्मक योजनाएं बनाई गई।

यमुनानगर। रादौर में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को प्रदेश सरकार की योजनाओं से अवगत करवाते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

हर क्षेत्र में प्रदेश में आगे

उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश विकास के साथ-साथ हर क्षेत्र में देश के अन्य राज्यों से सबसे आगे है और मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के चहुंमुखी विकास करवाया जा रहा है। हरियाणा सरकार हर वर्ग को साथ लेकर सबका साथ ,सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है। किसान और आढ़ती का गहरा संबंध है। किसानों के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा के माध्यम से किसानों के खातों में पैसे भेजे जाते हैं।

सरसों खरीद के आदेश

कृषि मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आढ़तियों की इस मांग को जायज समझते हुए तुरंत सरसों की फसल को 15 मार्च से अनाज मंडी में खरीद करने के आदेश जारी कर दिए। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की समस्याओं के प्रति गंभीर हैं। सरकार का प्रयास है कि जनहित की योजनाओं का लाभ किसान के साथ साथ हर वर्ग को मिले।

कुरुक्षेत्र की बेटी हिमांशी सिंह ने जीते तीन मेडल

- ट्रैक साइकिलिंग इंवेंट में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में किया प्रदेश का नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र सेक्टर 4 की बेटी हिमांशी सिंह ने ट्रैक साइकिलिंग इंवेंट में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में 3 मेडल जीते है। इस बेटी ने कुरुक्षेत्र के साथ-साथ हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया है।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हिमांशी सिंह पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीत चुकी है। डीएसओ मनोज कुमार,साइकिलिंग कोच कुलदीप वडैच, व साइकिलिंग कोच पंजाब सिंह व साइकिलिंग एसोसिएशन से नीरज तंवर ने खिलाड़ी हिमांशी सिंह को बधाई और शुभकामनाएं दी है। हिमांशी के पिता एडवोकेट सुनील कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिमांशी सिंह ने 9 से 13 मार्च तक भुवनेशवर में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी के ट्रैक साइकिलिंग इवेंट में 3 मेडल हासिल किए है। इस खिलाड़ी ने टीम सप्रिंट में सिल्वर, प्वाइंट रेस में सिल्वर पदक और स्क्रैच रेस में कांस्य पदक हासिल किया है।

खबर संक्षेप

युवक की हादसे में मौत

करनाल। अराईपुरा रोड पर साइकिल की दुकान चलाकर अपनी आजीविका कमाने वाले घरौंडा निवासी एक युवक की चिढ़ाव मोड पर सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घरौंडा निवासी अनिल अराईपुरा रोड पर साइकिल की दुकान चलाकर अपने आजीविका कमा रहा था। शुक्रवार को छुट्टी के दिन अनिल के 10 वर्षीय बेटे सूजन ने निसंग में मामा के घर जाने की जिद की थी अनिल ने बाइक से बेटे को लेकर निसंग पहुंच गया। और वहां कुछ घंटे रुकने के बाद लौट रहा था। जैसे ही बाइक करनाल के चिढ़ाव मोड़ के सभी पहुंची तो वाहन ने इक को टक्कर मार दी। अनिल सड़क पर गिरा मौके पर मौत हो गई। बेटा अभी गंभीर है।

हादसे में वृद्ध की मौत

पानीपत। पानीपत की पुरानी मंडी में एक तेज रफ्तार ऑटो रिक्शा चालक ने सड़क क्रॉस कर रहे चिमनलाल निवासी अमर भवन चौक को टक्कर मार दी। हादसा करने के बाद आरोपी चालक फरार हो गया। वहीं चिमनलाल को घायल अवस्था में त सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रवासी बच्चा घायल

पानीपत। पानीपत के गांव बलाना में सड़क हादसे में सात साल का लडका राजा बाबू पुत्र पप्पू शाह मल निवासी बिहार घायल हो गया। मेडिकल स्टोर से दवा लेकर निकले राजा को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मारी थी। बच्चे का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

संघ की ओर से हर्षोल्लास से मनाया होली उत्सव

फाग उत्सव हमें समरसता के साथ बुराई पर अच्छाई का भी देते संदेश

देशभक्ति से परिपूर्ण इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गईं

- विजेता प्रतिभागियों को गणमान्य अतिथियों ने सम्मानित भी किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

करनाल। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ होली मिलन समारोह मनाते हुए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ माधव नगर द्वारा रेलवे रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। उत्साह के साथ संघ व विभिन्न अनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से होली उत्सव मनाकर समाज में स्वस्थ परंपरा का संदेश दिया। कार्यक्रम में सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार ने होली के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फाग उत्सव का भारतीय परंपरा में विशेष महत्व है। यह पर्व हमें समरसता के साथ हमें बुराई पर अच्छाई का संदेश भी देता है।

संघ समाज को जोड़ने का करता कार्य

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज को जोड़ने का कार्य करता है। यह केवल एक दिवस मनाने वाला त्योहार नहीं, बल्कि हमें एकत्व के भाव में बाँधने और अपनी सकारात्मकता को उन्मुक्त करने का अवसर है।

महाकुंभ का जिक्र

महाकुंभ का जिक्र करते हुए सेवा भारती के प्रांतीय संगठन मंत्री ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ ने पूरी दुनिया को यह दिखाया की हिन्दू समाज समस्त मानव जाति के कल्याण और सह अस्तित्व के साथ सर्व समावेशी परम्परा से संपन्न है। अनादि काल से सनातन संस्कृति की समता, एकता की ये परंपरा बिना जाति, वर्ग, क्षेत्रवाद और भाषा के भेदभाव के बिना प्रयागराज में संगम तट पर महाकुम्भ में अनवरत चलती आ रही है। कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों और स्वयंसेवकों ने गीत,संगीत, कविता और नृत्य के माध्यम से होली उत्सव में उत्साह का रंग भर दिया। देशभक्ति से परिपूर्ण इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। विजेता प्रतिभागियों को गणमान्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। मौके पर विभाग संघचालक माननीय सुधीर कुमार, नगर संघ चालक सुभाष सचदेवा, सह विभाग कार्यवाह महेंद्र कुमार,विभाग प्रचारक संजय कुमार ,जिला प्रचारक लखपत राय, प्रांत विद्यार्थी कार्य प्रमुख पुरुषोत्तम कुमार, जिला कार्यवाह विकास यादव, नगर कार्यवाह भारतभूषण, सह नगर कार्यवाह राजीव पोपली सहित संघ के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता व नगर के गणमान्य लोग शामिल हुए।

एक शाम होली के गीतों के नाम संध्या ने सभी का मन मोहा

करनाल। होली की पूर्व संध्या पर मनिंदर बब्बू केरोके क्लब ने शहर के एक होटल में रग बिरंगा गीतों का गुलदस्ता प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी ने यादगार गीतों की प्रस्तुति दी। गीतों भरी शाम को मनिंदर सिंह बब्बू और अरविंदर सिंह ने स्वरों के संयोजन के साथ संजोया। इस अवसर पर सभी को होली के उपहार दिए गए। कार्यक्रम का संयोजन विनस छावड़ा ने किया। कार्यक्रम की आगाज अरविंदर सिंह और मनिंदर सिंह बब्बू ने दिल तो पागल है गीत गा कर किया इसके बाद अनि रुद्ध कालड़ा तथा पुष्पा कालड़ा ने यह पर्दा हटा दो,कंवल कुमार और रजनी ने आ मैरे हमजोली, प्रदीप त्यागी और संगीता ने नैनो में सपना, हरीश बधावन और किरण रावल ने आजा सनम, अवतार सिंह तारी ने, रसनीत मक्कड़ ने ,नरेश दत्त और शिखा दत्त ,अनिल गिरधर और किरण रावल ने, विजय शर्मा और नेहा ने, अवतार सिंह तारी और उर्मिला जी ने छुप गए सारे नजारे ओए क्या बात हो गई,देवेंद्र अरोड़ा और ऊषा ने ,अरुण थापर और रष्मि ने होली खेले रधुबीरा, जगमोहन सिंह ने गीत प्रस्तुत किए। इस सफर को आगे बढ़ाया अंजली शर्मा और पूनम शर्मा की जोड़ी ने विनय छावड़ा और गीता छावड़ा की जोड़ी ने उड़े जब जब जुल्फें तैरी, राकेश बंसल और अजय जैन ने यह दोस्ती, विनोद भाटिया और जरनैल सिंह ,रंजीत गिल और राजेश योगी, योगिंदर सिसोदिया और अमरजीत सिंह इंद्रर सचदेवा और सीमा सचदेवा के बाद अनीतर $गुप्ता और सुनीता कुकरेजा ने गीत प्रस्तुत किए।

राधा कृष्ण के भजनों में सब जमकर झूमे

- योग परिवार ने होली उत्सव उत्साह और उमंग से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

मेरा मिशन स्वस्थ भारत के संचालक दिनेश गुलाटी और योग परिवार ने होली का उत्सव उत्साह और उमंग से मनाया। सेक्टर 9 कृष्ण कृपा धाम योग कक्षा द्वारा श्री राम मंदिर में आयोजित होली उत्सव में होली के भजनों की धूम रही और सभी शिक्षकों और साधकों में इसमें भाग लिया। इस कक्षा के शिक्षक शिवानी कंबोज,राजेंद्र पपनेजा और कुसुम राणा की अगवाई में होली का बहुत सुंदर आयोजन हुआ। मंदिर के प्रांगण में फूलों से होली खेलकर पानी बचाने का संदेश भी दिया गया। आगंतुकों का स्वागत तिलक लगाकर और फूलों से किया गया। भजन गायिका उर्मिला ने अपने भजनों द्वारा माहौल को संगीतमय कर दिया और सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने होली के गीत गाकर सबको आनंद विभोर कर दिया। सभी होली के रंग में रंगे हुए नजर आए। राधा कृष्ण के भक्तिमय भजनों मे सब झूमे। सभी ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दी।

बस और कंबाइन की टक्कर, बस चालक की मौत, लगा जाम

- हादसे के बाद बस यात्रियों में मची अफरा-तफरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

झिलमिल ढाबा के नजदीक एक बड़ा हादसा हो गया। जहां पर राजस्थान रोडवेज की बस और कंबाइन की टक्कर हो गई। जिसमें बस सडक़ से उतरकर खाई में जा गिरी और पेड़ से टकराकर रुक गई। हादसे में बस ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जयपुर से लुधियाना जा रही राजस्थान रोडवेज की बस झिलमिल ढाबा के पास पहुंची तो सामने से आ रही कंबाइन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंबाइन का पिछला हिस्सा हाईवे पर पलट गया, जिससे सडक़ पर जाम लग गया। वहीं, बस असंतुलित होकर सडक़ से नीचे उतर गई और खाई में गिरते हुए एक पेड़ से टकरा गई। हादसे के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बस में बैठे लोग घबरा गए और चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। ढाबे पर मौजूद लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बस का इमरजेंसी एग्जिट खोला और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान मौके पर हडक़ंप की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच अधिकारी सुरेंद्र ने बताया कि कंबाइन पहले से ही सडक़ पर पलटी हुई थी। बस ड्राइवर ने कंबाइन को बचाने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान बस बेकाबू होकर खाई में गिर गई और पेड़ से जा टकराई। हादसे में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

तिलक लगाकर वैदिक होली मनाई

- आर्य पुरोहितों ने पांच कुंडीय यज्ञ, यजुर्वेद की पूर्ण आहुति डाली

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

करनाल। वैदिक होली कार्यक्रम में गणमान्य लोगों को सम्मानित करते हुए।

आर्य समाज सेक्टर आठ-नौ ने आर्य केंद्रीय सभा करनाल के तत्वावधान में वैदिक होली कार्यक्रम का आयोजन पंजाबी भवन में किया। कार्यक्रम की शुरूआत आर्य पुरोहितों द्वारा वेद मंत्रों से पांच कुंडीय यज्ञ , यजुर्वेद की पूर्ण आहुति करके की गई। इसके बाद चंदन का तिलक लगाया गया। गुरुकुल कुरुक्षेत्र से पहुंचे प्रसिद्ध वैदिक संगीताचार्य श्री जयपाल आर्य जी ने प्रभु भक्ति, ऋषि भक्ति व देश भक्ति के भजनों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएम के पूर्व ओएसडी संजय बठला ने शिरकत की।

उन्होंने होली के पर्व की बधाई देते हुए कहा कि सच्ची होली तभी सार्थक है यदि हम पिछले सभी मनमुटाव बुलाकर प्रेमपूर्वक रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लाजपत राय ने की। मंच संचालन सचिव वेद मित्र आर्य ने किया। आर्यजनों ने भी प्रभु भक्ति, देश भक्ति, हास्य व्यंग्य, कविताएं व चुटकुले प्रस्तुत कर सभी को हर्षित किया। अंत में आर्य समाज सेक्टर आठ-नौ के प्रधान भोपाल सिंह आर्य व आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान प्रो. आनंद सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।

सर्वसम्मति से एसडी अरोड़ा को समिति को चेयरमैन बने

करनाल। पर्यावरण संरक्षण समिति करनाल का त्रैवार्षिक चुनाव सेक्टर-13, आर्य समाज मन्दिर में करवाया गया। वर्तमान में एस.डी. अरोड़ा समिति प्रधान एवं चेयरमैन का कार्य स्वंय कर रहे हैं। आज एस.डी. अरोड़ा ने प्रधान पद से त्यागपत्र दे दिया है और समिति चेयरमैन का कार्य सभा की सहमति से वह आगे भी करते रहेंगे। सभा ने सर्वसम्मति से एस.डी. अरोड़ा को समिति का चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। जिसके अनुसार एस.डी.अरोड़ा चेयरमैन, अंजु शर्मा प्रधान, सुरेश खन्ना, वरिष्ठ उप-प्रधान, डॉ. पुष्पा सिन्हा, उप-प्रधान, के. एल. नारंग, जनरल सेक्रेटरी, बाबु राम शर्मा, ज्वाइंट सैक्रेटरी एवं श्री अुर्जन देव वर्मा को कैशियर के पद पर चुना गया। चुनाव कार्यक्रम में एस.डी. अरोड़ा, रामरतन अत्री, कंवल भसीन, अंजु शर्मा, सुरेश खन्ना, डॉ. एस.के .शर्मा, अनिल अरोड़ा, एस. के. चावला, ओ.पी.सचदेवा, बाबु राम शर्मा, हेम राज मित्तल, बी.डी. खुराना, एच.डी.कथूरिया, शशि आर्या, सरोज कथूरिया, अनिला सिन्हा, आकाश रतन, हन्नी शर्मा, हरिताभ भारती आदि उपस्थित रहे।

जेसीआई करनाल गोल्ड की ओर से मनाया होली पर्व

करनाल।सामाजिक संस्था जेसीआई करनाल गोल्ड ने भाईचारे का प्रतीक होली का पावन पर्व धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का नाम जश्न-ए-होली, रंगों का उत्सव, दोस्ती का एहसास/" रखा गया। एक दूसरे को गुलाल लगाकर जहां संस्था के सदस्यों ने होली की बधाई दी, वहीं फिल्मी गानों और ढोल की थाप जमकर डांस भी किया। संस्था की महिला विंग और जूनियर विंग ने कार्यक्रम में पूरा लुत्फ उठाया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्रधान जेसी प्रमोद बंसल, सचिव जेसी अजीत बंसल, जेसी अमित सिंगला व जेसी विकास गोयल ने गुलाल लगाकर सभी सदस्यों का स्वागत किया।

मिड डे मील वर्कर यूनियन की मांगों पर बनी सहमति

- वार्ता समिति की जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संग हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

मिड डे मील वर्कर यूनियन की जिला करनाल की वार्ता समिति की मीटिंग जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी करनाल के साथ हुई। मीटिंग में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रोहताश व सभी ब्लॉकों के खंड शिक्षा अधिकारी मौजूद थे। यूनियन की ओर से प्रधान शिमला देवी, सचिव संतोष, कैशियर ओपी माटा, सीटू जिला प्रधान सतपाल सैनी, घरौंडा ब्लॉक प्रधान कमलेश व निसिंग की प्रधान गीता शामिल रहे। मीटिंग में मिड डे मील वर्कर यूनियन की ज्यादातर मांगों पर सहमति बनी है। पिछले केंद्र सरकार से मिलने वाले 1000 रुपए बकाया मानदेय, फरवरी माह का मानदेय ,किसी भी स्कूल मे लकडी का चुल्हा नही चलेगा, किसी भी मिड डे मील को चपडासी की जगह नही लगाया जाएगा, मानदेय बजट आने के बाद एक सप्ताह तक कुकस के खाते मे डाला जाऐगा, किसी भी मिड डे मील से बेगार नही ली जाऐगी, जनवरी के 15 दिन का मानदेय देने, व स्कूलों मे बच्चे बढने पर हटाई गई कुक को दोबारा नौकरी पर लगाने बारे निदेशक को तुरंत पत्र लिखा जाऐगा, स्कूलों में सब्जी उगाने बारे मिड डे मील वर्कर अध्यापक, बच्चे व क्लास-4 भी साथ-साथ काम करेंगे। इस अवसर पर सीटू जिला प्रधान सतपाल सैनी, संतोष, ओपी माटा, कमलेश, शिमला व गीता मौजूद रहे।

विद्याश्री छात्रवृत्ति योजना: 40 छात्राओं मिलेगी मुफ्त शिक्षा

- परीक्षा के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2025

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। पत्रकारों से बातचीत करते अनंत चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी आशीष नेहरा व अन्य।

विद्याश्री छात्रवृत्ति योजना के तहत 9वीं व 11वीं कक्षा की 40 होनहार छात्राओं को निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। यह जानकारी अमातिर कन्या गुरुकुल बचगांवा गामडी में पत्रकार वार्ता के दौरान अनंत चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी आशीष नेहरा ने दी। आशीष नेहरा ने बताया कि अनंत चैरिटेबल ट्रस्ट ने जेनेसिस क्लासेस और अमातिर कन्या गुरुकुल के साथ मिलकर विद्याश्री छात्रवृत्ति योजना शुरू की है। यह छात्रवृत्ति उन प्रतिभाशाली और योग्य बेटियों के लिए है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाती है। छात्रवृति परीक्षा 30 मार्च को दोपहर 2 बजे अमातिर कन्या गुरुकुल बचगांवा गामडी कुरुक्षेत्र में होगी। इस अवसर पर जेनेसिस क्लासेस के एमडी जितेंद्र अहलावत, अनंत चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य दीपक चिब, जेनेसिस क्लासेस के एडमिनस्ट्रेटर सुबेदार रविंद्र कौशिक व अमातिर कन्या गुरुकुल की प्रिसंपील शालू शर्मा मौजूद रहे। जेनेसिस क्लासेस के एमडी जितेंद्र अहलावत ने बताया कि छात्रवृति योजना के तहत 40 सीटे उपलब्ध है जिनमें 9वीं कक्षा के लिए 20 सीटें और 11वीं कक्षा के लिए 20 सीटें रहेगी। जो छात्राएं इस योजना में चयनित होंगी उन छात्राओं को नीट, जेईई व एनडीए जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी मार्गदर्शन किया जाएगा। जो छात्राएं अन्य जिलों से है उन्हें स्कूल टयूशन फीस किताबों और यूनिफार्म की सहायता निःशुल्क दी जाएगी। सुबेदार रविंद्र कौशिक ने बताया कि परीक्षा के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2025 है। परीक्षा के रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन स्कूल की वेबसाइट पर जाकर, स्कूल में आकर या फिर जेनसिस क्लासेस कुरुक्षेत्र में आकर किया जा सकता है। परीक्षा के लिए देशभर से वे छात्राएं आवेदन कर सकती है जो वित्तीय कमी के चलते अपनी शिक्षा पूरी नही कर पाती है।

बुजुर्गों के साथ मनाई होली

- अकादमी के कलाकारों ने होली के गीत गाए, लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

चाहत कराओके अकैडमी ने होली का पावन पर्व सुभद्रा मानव कल्याण सेवा संस्थान में रह रहे बुजुर्गों के साथ मनाया। बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान देख कर सबको सुकून मिला। अकादमी के कलाकारों ने होली के गीत गाए।

एक-दूसरे को त्योहार की बधाई देने के साथ-साथ बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। ऑर्गेनाइजर विनोद कुमार वर्मा ने तौबा ये मतवाली चाल..., जो तुमको हो पसंद वही बात कहेंगे तथा टीम मैनेजर किरण चड्ढा ने अजीब दास्तां है ये, श्रवण बठला और किरण चड्ढा ने जोगी जी धीरे-धीरे, सुमित मिगलानी ने गम का फ़साना बन गया अच्छा, नरेंद्र वर्मा ने रंग बरसे भीगे चुनरवाली रंग बरसे जैसे होली के गीत गाए। सुभद्रा मानव कल्याण सेवा संस्थान की संचालिका नीलू ने होली पर्व बुजुर्गों के साथ मनाने पर अकादमी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आश्रम की गतिविधियों से सबको अवगत करवाया। अकादमी के आर्गेनाइजर विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि होली का पर्व भाईचारे का प्रतीक है। हमारा सौभाग्य है कि होली का पर्व हमें बुजुर्गों के साथ मनाने का अवसर मिला। अकादमी की ओर से भविष्य में आने वाले त्योहार इसी आश्रम में मनाने का प्रयास किया जाएगा।

आह्वान शहर के राईस मिलर, उद्योगपति व धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने लिया आशीर्वाद

गोहत्या रोकने के लिए हिंदुओं को जागरूक होना होगा: शंकराचार्य

युवाओं को अपने जो धर्म की रक्षा करने के लिए आगे आना चाहिए

- गोयल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में पहुंचे शंकराचार्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तरावड़ी

तरावड़ी । स्वामी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का स्वागत करते हुये

सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए हर हिंदू का धर्म है। सबसे पहले हमने सनातन धर्म को समझना होगा धर्म कह रक्षा करते करते अधर्म की रक्षा हो जाती है। हिंदुओं को अपने धर्म की रक्षा करने के लिए आगे आना होगा। गोयल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में पहुंचे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा। गोहत्या के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्हें कहा गोहत्या रोकने के लिए हिंदुओं को जागरूक होना होगा। देश में जगह-जगह गोहत्या हो रही है लेकिन हम सनातनी इसकी ओर ध्यान नहीं दे रहे। हिन्दू जागरूक नहीं हो रहा। हमें इनके खिलाफ आवाज उठनी चाहिए गौ माता हमारी पूजनीय है आज भी हिंदुओं के घर में सुबह पहली रोटी गोमाता के नाम की निकली जाती है। हम अपने धर्म और संस्कृति को समझेंगे। युवाओं को अपने जो धर्म की रक्षा करने के लिए आगे आना चाहिए । गैलेक्सी बासमती चावल के मिल मे पहुंचनें पर गैलेक्सी परिवार के सदस्यों ने फूल मालाओं से शंकराचार्य जी का स्वागत किया। गोयल इंटरनेशनल के सीएमडी विजय गोयल, कृष्ण गोयल, मुनीष गोयल ने परिवार के साथ शंकराचार्य जी की पूजा अर्चना की। शहर के राईस मिलर, उद्योगपति व धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शंकराचार्य के समक्ष शीश नवां उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गोयल परिवार विपुल गोयल, मनीष गोयल, अकुल गोयल, सतीश गुप्ता, शिव शक्ति राइस इंटर ग्लोबल के सीएमडी रमेश गुप्ता, लाला साधुराम सिंगला, राइस मिलर एसोसिएशन के नरेश बंसल, लाला कृष्ण चंद सिंगला, विरेंद्र बंसल, अशोक गोयल, रविन्द्र सिंगला, प्रदीप गुप्ता, राकेश गर्ग, सचिन गर्ग, राजीव नांरग, संजय सिंगला, राकेश हंस, तिलक राज मक्कड़, सुभाष गुप्ता, शीशपाल गुप्ता, पंकज गुप्ता सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

टीबी के लक्षण के बारे में दी जानकारी

समालखा। ओम प्रकाश टीबी सुपरवाइजर समालखा ने टीबी बीमार के बारे में बताया कि इसके लक्षण क्या हैं। इसका उपचार कितने महीनों के लिए है और सरकार ने इस कार्यक्रम को हिंदुस्तान से खत्म करना है के लिए क्या लक्ष्य रखा है। बलगम के साथ खून आना इसका पहला लक्षण है। इस प्रकार से अगर आपके पड़ोस में या रिश्तेदारी में कोई ऐसा व्यक्ति दिखायी दे आप उसको तुरंट सुझाव दें कि अपने नजदीकी हस्पताल में जाएं और अपने बलगम की टीबी संबंधि जांच कराएं। टीबी डिक्लेयर हो जाती है तो उसके लिए सरकार छह महीने की उसके मुफ्त में दवाई दी जाती है।

पत्रकारों की मासिक पेंशन बढ़ाने की मांग

पानीपत। हरियाणा पत्रकार संघ ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पत्रकारों को 5 लाख रुपये का चिकित्सा बीमा संरक्षण देने वाले कैशलैस योजना को 17 मार्च को 2025-26 के बजट में लागू करने की घोषणा करने की मांग की है। इसी प्रकार नए बजट में वृद्ध पत्रकारों की मासिक पैंशन को 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये करने की भी मांग की है।

फर्जी फैमिली आईडी की जांच हो

पानीपत। नार्थ इंडिया एंटी करपशन एण्ड क्राइम प्रीवेंशन आग्रेनाइजेशन की एक बैठक लतीफ गार्डन स्थित कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक की अध्यक्षता में हुई। जिसमें हरियाणा में फर्जी फैमिली आईडी बनवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने वालों की जांच कराने के लिए हरियाणा के राज्यपाल को शीघ्र ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया।

जीवन में सदैव नित्य श्री गीता जी का पाठ करो

पानीपत। पानीपत की गीता कॉलोनी स्थित श्री गीता मंदिर में नित्यलिलालीन सदगुरुदेव स्वामी श्री गीता नंदजी महाराज की छत्रछाया व स्वामी अवशेषानंद विद्यमानता में तीन दिवसीय श्री गीता महायज्ञ संपन्न हुआ। वहीं, वृन्दावन से श्री गीता आश्रम से पधारे स्वामी अवशेषानंद जी ने सभी को आशीर्वचन देते हुए कहा कि जीवन में सदैव सत्संग करो, नित्य श्री गीता जी का पाठ करो, नेकी व परमार्थ के कार्य करते हुए अपने जीवन को सेवाभावी बनाओ। भजन सम्राट महावीर शर्मा ने भक्ति गीत गाए।

पुलिस ने चोरी का आरोपी पकड़ा

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने में देशराज कॉलोनी में घर में चोरी करने वाले आरोपी गोलू पुत्र भूरेलाल निवासी देशराज कॉलोनी को अग्रसेन अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया है। सीआईए श्री विजय ने बताया कि चोरी की उक्त वारदात बारे थाना तहसील कैंप में गोपाल पुत्र भोरन निवासी गांव सिहावली जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश हाल किरायेदार देशराज कॉलोनी की शिकायत पर केस दर्ज है। पुलिस ने आरोपी से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद किया है। वहीं गोपाल पर पहले भी इसी थाने में चोरी के आरोप में केस दर्ज है।

मारपीट का आरोपी पकड़ा, केस दर्ज

पानीपत। थाना मतलौडा पुलिस ने मंजीत निवासी गांव कालखा को गंभीर चोट मारने मामले में फरार आरोपी सुनील उर्फ शीला निवासी गांव नैन को गिरफ्तार किया है। थाना मतलौडा प्रभारी महाबीर ने बताया कि इस मामले में राहुल, विवेक उर्फ काला निवासी गांव भंडारी, अजय निवासी गांव उरलाना कला व साहिल निवासी गांव नैन को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं इस मामले में घायल मंजीत के पिता ओम प्रकाश की शिकायत पर केस दर्ज है।

कांशीराम को श्रद्धांजलि दी

इसराना। पानीपत के गांव इसराना की एससी चौपाल में बसपा संस्थापक कांशीराम की 91वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बसपा हरियाणा महासचिव सरदार सुमेर सिंह मौजूद रहे। सुमेर सिंह ने कहा कि कांशीराम ने पिछड़े और शोषित समाज को नई दिशा दी। उन्होंने शिक्षा का महत्व समझाया।

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने पानीपत में इसराना के गांव नौल्था में प्रसिद्ध होली फाग महोत्सव में शिरकत की

पानीपत में होली पर्व धूमधाम से मनाया, लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी

- ग्रामीणों ने मंत्री का जोरदार स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

जिला के शहरी व ग्रामीण अंचल में होली पर्व धूमधाम से मनाया गया। हर आयु वर्ग के लोगों ने होली पर एक दूसरे को गुलाल लगा कर होली पर्व मनाया। इधर, हरियाणा के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने पानीपत में इसराना के गांव नौल्था में प्रसिद्ध होली फाग महोत्सव में शिरकत की। ग्रामीणों ने मंत्री का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मंत्री ले गांव में भाई चारे की मिसाल की सराहना की। बता दें कि नौलथा का फाग महोत्सव बड़ा ही फेमस है। पूरा गांव एकजुट होकर इसमें शिरकत करता है। मंत्री पंवार ने गांव के पाना दुदान में पहुंचकर परंपरागत फाग महोत्सव का आनंद लिया।

शिक्षा मंत्री के साथ हजारों ने खेला फाग

हरियाणा सरकार में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के एल्डिको स्थित आवास पर भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में पूरे हरियाणा से लगभग 12,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और मंत्री महोदय के साथ रंगों की होली खेली। यह समारोह सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और सद्भावना का प्रतीक बना, जहां प्रदेशभर से आए गणमान्य व्यक्तियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आम नागरिकों ने शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के साथ गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं साझा कीं। इस दौरान पूरे माहौल में होली के उत्साहजनक नारों की गूंज सुनाई दी, और सभी ने आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया। इधर, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने आगंतुकों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता का प्रतीक है। हरियाणा के लोग मेहनती, ईमानदार और संस्कारवान हैं। इसी भावना के साथ हम सभी को मिलकर प्रदेश और देश की सेवा करनी है। यह त्योहार हमें बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज में भाईचारे की भावना को और अधिक मजबूत किया जाए, ताकि हरियाणा विकास के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके। इधर, समारोह स्थल को रंग-बिरंगी फूलों की सजावट से अलंकृत किया गया था। पारंपरिक लोकगीतों और ढोल-नगाड़ों की धुनों पर सभी झूम उठे। प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें हरियाणवी रागनी, लोकगीत और नृत्य शामिल रहे। आगंतुकों के लिए पारंपरिक पकवानों की विशेष व्यवस्था की गई। मंत्री ढांडा ने स्वयं उपस्थित सभी लोगों के साथ गुलाल लगाकर इस उत्सव को और खास बनाया।इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी, शिक्षाविद, पंचायत प्रतिनिधि और युवा साथी उपस्थित रहे। हरियाणा के कोने-कोने से आए लोगों ने शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के नेतृत्व की सराहना की और उनके द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में उमड़ी भारी भीड़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि महीपाल ढांडा जनता के बीच कितने लोकप्रिय हैं। लोगों ने उनके साथ सेल्फी लीं, आशीर्वाद लिया और आने वाले समय में उनके नेतृत्व को और मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मेयर कोमल सैनी, नवनिर्वाचित पार्षदो के साथ सभी गांवों के सरपंच साथी ओर अन्य सभी भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

पानीपत। भगवान श्री कृष्ण का पूजन करते हुए संतगण व एल्डिको में होली पर्व खेलते नागरिक। फोटो :हरिभूमि

फूलों की होली खेली

पानीपत के जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल में आज होली का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। नन्हे-नन्हे बच्चों ने फूलों की होली खेली। पहली कक्षा के छात्रों ने आज ब्रज में होली रे रसिया दूसरी कक्षा के छात्रों ने रंग उडने दो। कक्षा केजी आज इतना मजा क्यों आ रहा गीतों पर खूब थिरके। फूलों के संग सभी ने होली खेलकर पानी बचाव का संदेश दिया। विद्यालय के चेयरमैन अतुल जैन ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी और बच्चों के साथ फूलों की होली खेली। डायरेक्टर मधु अग्रवाल ने सबको होली की बधाई दी। वहीं प्रधानाचार्या रेणुका अनेजा ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन युवराज जैन, सीए कमल किशोर, एडवाइजर मुस्कान जैन, बलराम शर्मा आदि मौजूद रहे।

पानीपत। शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा के साथ होली खेलते हुए। फोटो :हरिभूमि

होली का लुत्फ उठाया

सलारगंज गेट स्थित फादर्स प्राइड प्लेवे में होली का त्यौहार बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। नन्हे मुन्ने बच्चों के साथ उनकी माता को भी स्कूल में बुलाया गया एवं सभी ने स्कूल में फूलों की होली का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर सीमा कस्तूरिया, पूजा, मोना, संजना, अनु, साक्षी, कोमल, अमृत, अमन, दीपिका, दीप्ति, पिंकी, रुचि, सोनिया, नीतू, बेबी व उमा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस्कॉन ने श्रद्धा से मनाई होली

इस्कॉन द्वारा गौर पूर्णिमा और फूल होली का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमान प्रह्लाद हरी प्रभुजी ने गौर पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह दिन श्री चैतन्य महाप्रभु के अवतरण का प्रतीक है, जो भक्ति आंदोलन के पुनरुद्धार और प्रेम, करुणा के संदेश को फैलाने के लिए प्रसिद्ध हैं। गौर पूर्णिमा को स्वर्णिम पूर्णिमा भी कहा जाता है, जो भगवान चैतन्य महाप्रभु की दिव्य शिक्षाओं की चांदनी को दर्शाता है। कार्यक्रम में नारियल पानी, दूध, दही, फलों के रस, घी और शहद का उपयोग किया गया। इसके बाद पंचामृत को भक्तों में वितरित किया गया। फूल होली का आयोजन भी किया गया। जिसमें भगवान को अर्पित किए गए फूलों का उपयोग किया गया। भक्तों ने हरे कृष्ण की मधुर धुनों पर नृत्य करते हुए फूलों की होली खेली।

सीएम नेचल रही योजनाओं का अपडेट दिया

- मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपायुक्त को मानसून की तैयारी, एसटीपी व नदियों, नालों को सफाई के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के एडीसी डॉ. पकंज आदि अधिकारी, मुख्यमंत्री से वीसी पर बैठक करते हुए।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को पानीपत में सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण को लेकर उपायुक्त डॉ वीरेंद्र दहिया व संबंधी विभागों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर बरसात के मौसम के आगमन से पूर्व ड्रेनों व एसटीपी की साफ सफाई करने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री सैनी ने वर्चुअल वीडियो कांफ्रेंस में से डीसी डॉ. दहिया को जल्द से जल्द योजनाओं पर कार्य करने के निर्देश दिए। इधर, डीसी डॉ. दहिया ने मुख्यमंत्री सैनी को बारिश के मौसम में जिन स्थानों पर बाढ़ की स्थिति बनती है उनको लेकर अपडेट दिया व किस तरह से कार्य किया जा सकता हैं इससे अवगत कराया। डॉ. दहिया ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की वे इस दिशा में अभी से कार्य प्रारंभ कर दे। समय कम है। शैड्यूल बना कर कार्य करें। दूसरी ओर, डॉ. दहिया ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को जिले में संचालित की जा रही योजनाओं की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया। उन्होंने 10 योजनाओं पर किस तरह से कार्य होगा व कितना समय इन पर लगेगा इस बारे में भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। डॉ. दहिया ने कहा कि बरसात के समय बाढ़ के खतरे से जमीन और आबादी दोनों को बाढ़ के प्रभाव से बचाना है और बाढ़ से संबंधित आपदा पर नियंत्रण करना है। इधर, सीएम सैनी ने कहा की हमें व्यवस्था को मजबूत करना है। बाढ़ को लेकर संचालित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा भी सीएम ने बारी बारी उपायुक्तों से लिया। इस मौके पर एडीसी डॉ. पंकज, डीआरओ रणविजय सिंह सुल्तानिया, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता सुरेश सैनी, जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता संजय शर्मा के अलावा कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

औद्योगिक शैक्षणिक भ्रमण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आईबी कॉलेज के विद्यार्थियों के रवाना करते हुए प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक।

आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मार्केटिंग विभाग और कल्याणी एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में जीएसटी कोर्स के अंतर्गत विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से एमएसएमईप्रौद्योगिकी केंद्र, पानीपत का औद्योगिक दौरा करवाया गया। इस औद्योगिक दौरे के आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उद्योग जगत की कार्यप्रणाली से परिचित कराना और उनके तकनीकी व प्रबंधकीय कौशल को विकसित करना था। इस शैक्षणिक यात्रा को महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक, मार्केटिंग विभागाध्यक्षा एवं संयोजिका डॉ. पूनम मदान, डॉ. अर्पणा गर्ग, डॉ. सुनीता, प्रो.कनक शर्मा एवं डॉ. चेतना नरूला ने शुभकामनाओं के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस औद्योगिक दौरे के अंतर्गत लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक ने इस पहल की सराहना की और कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने के साथ साथ उन्हें भविष्य के लिए रोजगार उन्मुख बनाना है इस तरह के इंडस्ट्रियल विजिट विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।

गृह मंत्री से लगाई न्याय की गुहार

समालखा। समालखा में फल की रेहड़ी लगाने वाला धोखाधड़ी का शिकार हो गया। रेहड़ी लगाने वाले ईश्वर सिंह को ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी ने बिना जानकारी के कंपनी का डायरेक्टर बना गया था। वहीं, ईश्वर सिंह के साथ पानीपत के विकास पवार और संजय वर्मा भी इस धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। कंपनी के हरियाणा प्रमुख बिजेंद्र रूहिल ने इन्हें मामूली एजेंट बनाया था। इसके लिए सिर्फ फॉर्म पर हस्ताक्षर और आईडी प्रूफ लिए गए थे। इधर, कंपनी के मालिक समीर अग्रवाल और बिजेंद्र रूहिल जमाकर्ताओं के हजारों करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए हैं। अब पता चला है कि उन्होंने इन गरीब लोगों को कंपनी का डायरेक्टर दिखाया है। इन तीनों को न कभी किसी मीटिंग में बुलाया गया, न वेतन दिया गया और न ही कोई जानकारी दी गई।आरटीआई एक्टिविस्ट पीपी कपूर और पीड़ितों ने गृह मंत्री अमित शाह को शिकायत भेजी है। इसकी प्रतियां आरबीआई गवर्नर, कृषि मंत्री और मुख्यमंत्री को भी भेजी गई हैं। कपूर का आरोप है कि पुलिस बड़े अपराधियों को छोड़कर गरीब एजेंटों और क्लर्कों को गिरफ्तार कर रही है। इधर, पीड़ित जमाकर्ता और एजेंट 25 मार्च को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

रविंद्र का पार्थिव शरीर दान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के तहसील कैंप क्षेत्र के न्यू रमेश निवासी 71 वर्षीय रविंद्र मनोचा अपनी सांसारिक यात्रा पूरी करके प्रभु चरणों में लीन हो गए। वहीं मनोचा की अंतिम इच्छा पर फूल चढ़ाते हुए उनके परिजनों ने रविंद्र मनोचा की आंखों के साथ पार्थिव शरीर भी दान कर दिया। स्मरणीय है कि जीते जी रविंद्र मनोचा जरूरमंद लोगों की मदद करते रहते रहे। वहीं रविंद्र मनोचा का पार्थिव देह इसराना के मेडिकल कॉलेज में दान किया गया। इस अवसर पर रविंद्र के परिजना, रिश्तेदार, मित्रगण, आसपडोसी आदि उपस्थित रहे।

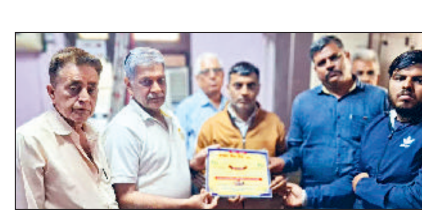

पानीपत। रविंद्र मनोच के परिजनों को सम्मानित करते हुए जन सेव दल के पदाधिकारीगण। फोटो :हरिभूमि

पानीपत को एनीमिया मुक्त करने को अभियान तेजी से जारी

अभियान के तहत हर आयु वर्ग के 50 हजार लोगों में एनीमिया की जांच की जाएगी

45 प्रतिशत बच्चों में भी खून की कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

स्वास्थ्य विभाग एनीमिया मुक्त अभियान में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग अब तक 10931 बच्चों, किशोरियों, महिलाओं व पुरुषों में रक्त की जांच कर चुका है। फरीदाबाद के बाद पानीपत जांच करने में दूसरे स्थान पर है। स्मरणीय है कि पानीपत स्वास्थ्य विभाग ने पांच साल तक के 1342, पांच साल से आठ साल तक के 965, 10 से 19 साल तक 1353 बच्चों व किशोरों और 867 गर्भवतियों की जांच की है। वहीं, जांच में पता चला कि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले की 60 प्रतिशत गर्भवतियों में खून की कमी है। 20 प्रतिशत गर्भवतियों में तो आठ ग्राम से भी कम खून है। वहीं 45 प्रतिशत बच्चों में भी खून की कमी है। 25 प्रतिशत से अधिक बच्चे गंभीर एनिमिक की श्रेणी में आते हैं। इस गंभीर चुनौती से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एक माह का एनीमिया मुक्त अभियान शुरू किया था। यह अभियान अप्रैल तक चलेगा। इसमें लगभग 50 हजार गर्भवतियों, बुजुर्गों, बच्चों व नौ जवानों की जांच की जाएगी। रक्त की कमी मिलने पर प्राथमिक स्तर पर आयरन की दवा दी जा रही है। वहीं अब गंभीर एनीमिया रोगियों को दवाएं देने के साथ जब तक ये ठीक नहीं होते तब इनकी मॉनिटरिंग कर फीडबैक भी लिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का फोकस ईंट भट्ठों व फैक्टरियों में रहने वाले प्रवासियों पर है। मॉनिटरिंग के लिए आशा वर्कर को इस अभियान से जोड़ा गया है। अभियान पूरा होने के बाद रिपोर्ट मुख्यालय में सौंपी जाएगी।

रक्त की कमी दूर करने ये है

पीड़ित नागरिक अपनी आयु के हिसाब से सिरप-गोली ले सकता है। जैसे शून्य से पांच वर्ष के बच्चों के लिए-आयरन सिरप, छह से नौ वर्ष-गुलाबी गोली, 10 से 19 वर्ष के किशोरों व युवाओं के लिए-नीली गोली, गर्भवती-स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए-लाल गोली को सेवन कर सकता है। ये दवाएं निशुल्क राजकीय अस्पतालों में उपलब्ध है। पानीपत के सिविल सर्जन डॉ. जयंत आहूजा ने बताया कि बताया कि एनीमिया मुक्त अभियान के दौरान झुग्गियों, फैक्टरियों व ईंट भट्ठों पर रहने वालों पर स्वास्थ्य विभाग का फोकस है। यहां विशेष रूप से अभियान चलाया जा रहा है। सामान्य, मध्यम व गंभीर एनीमिया के रोगियों के वर्ग बनाए गए हैं। पानीपत में एनीमिया बड़ी चुनौती है। हर महीने होने वाली गर्भवतियों की जांच में भी 60 फीसदी गर्भवतियों में खून की कमी मिलती है। पानीपत में इससे पहले ये अभियान सात दिनो के लिए हर तीन महीने के बाद तक चलता था। कुछ दिन पहले 100 दिनों तक भी एनिमिया मुक्त अभियान चला है। अब यह मासिक अभियान जिले की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के स्तर पर चलाया जा रहा है।

शरीर में खून की कमी के ये है लक्षण

नींद नहीं आना, आंख की रोशनी कम होना। थकान महसूस होना, काम में मन नहीं लगना। त्वचा, जीभ और आंखों में में पीलापन। होंठ व नाखूनों का रंग भी बदलना। दिल की धड़कन असामान्य होना। सिरदर्द, श्वास लेने में दिक्कत। चेहरे और पैरों पर सूजन।

न्यूज डायरी

पुलिस ने अपहृत बच्ची के शव का पोस्टमार्टम करवाया

पानीपत। पानीपत की बबैल रोड के सर छोटू राम चौक से 10 मार्च की दोपहर को अपहरण की गई 10 साल की लड़की का शव 13 मार्च को सोनीपत की नहर से बरामद हुआ था। सोनीपत पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकाल कर पानीपत पुलिस को सूचित किया था। सोनीपत के खानपुर मेडिकल कॉलेज में बच्ची के शव का 14 मार्च को पोस्टमॉर्टम करवाया गया। इधर, किला थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने कहा कि पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट सोमवार को मिलेगी, तभी स्पष्ट होगा कि बच्ची की मौत किस तरह हुई है। इसके अलावा संदिग्ध आरोपी की तलाश की जा रही है। आमजन से आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। संदिग्ध आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। बच्ची के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। मामले की आगामी कार्रवाई जारी है। दूसरी ओर, एसपी को दी शिकायत में लड़की के पिता ने बताया था कि उनकी पुत्री 10 मार्च को किला थाना में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। लेकिन अब उसे पता लगा है कि उसकी बेटी का अपहरण रामनगर बबैल रोड के रहने वाले संदीप ने किया है, जोकि हाली कॉलोनी में अपनी फास्टफूड की दुकान भी चलाता है। वह मौका लगते ही उसकी बेटी को उठाकर ले गया, जोकि पिछले दो दिनों से लापता है। पिता ने कहा कि उसे आशंका है कि संदीप उसकी बेटी को जान से मार सकता है, जल्द से जल्द उसकी बेटी को बरामद किया जाए व संदीप के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

होली-रमजान मुबारक कार्यक्रम धूमधाम से हुआ

पानीपत। गांधी ग्लोबल फैमिली और हली पानीपत ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में होली और रमजान मुबारक का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो रमजान के 13वें रोजे पर मनाया गया। जिसमें नव निर्वाचित पार्षद अंजली शर्मा मुख्य अतिथि रही। राष्ट्रीय एकता, सर्व धर्म समभाव और साम्प्रदायिक सद्भाव पर विचार-विमर्श और काव्य पाठ हुआ। गांधी ग्लोबल फैमिली के महासचिव राम मोहन राय, हाली पानीपत ट्रस्ट के सह प्रभारी दीपक, संत निरंकारी मिशन से संजीव नंदवानी, आम आदमी पार्टी के प्रीत पाल खेरा,आवामी एकता मंच के संयोजक संजय कुमार, पवन कुमार सैनी, विदुर फोर एडवोकेट, जय गोपाल वधवा, मुस्लिम समुदाय से अल्ताफ अहमद, इर्शाद अली, बाबु खान मलिक, रेहाना खान, सनातन धर्म संगठन के सतीश शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

होली पर श्याम बाबा के दर्शनों को पहुंचे हजारों भक्त

समालखा। हारे का सहारा है बाबा श्याम, इससे ज्यादा कोई राज नहीं जिसके सिर पर हाथ हो श्याम बाबा का इससे महंगा कोई ताज नहीं। यह विचार वृंदावन ट्रस्ट के महासचिव हरीश बंसल ने कहे। मंदिर समिति के प्रधान रोशन लाल छौक्कर ने कहा कि पहले धाम में होली पर श्याम प्रेमियों की भीड़ बिल्कुल ना के बराबर होती थी लेकिन अब मंदिर में सुबह से ही श्याम प्रेमी बाबा संग होली उत्सव मनाने आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में प्राचार्या डॉ. इंदु विज के दिशा-निर्देश में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर /"मेरे भारत के लिए युवा (विकसित भारत 2047)/" विषय पर आधारित है। शिविर का आयोजन एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पूजा बैरागी की देखरेख में किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और एनएसएस गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

सड़क दुर्घटना में एक बाइक युवक की मौत

बराड़ा। बराड़ा-अधोया रोड पर एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक बाइक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना अधोया चोंक के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने एक बाइक को पीछे से टक्कर मारी, जिसके कारण दोनों युवकों की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पिलर से टकरा गई। परिवादी अभिनाश कुमार ने बताया कि वह दोस्त राहुल कुमार के साथ यहां बराड़ा में रहता है। पीछे से आए एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी जिसके कारण यह हादसा हुआ।

होली पर्व धूमधाम से मनाया गया

अंबाला। सर्व धर्म समाज कल्याण सोसायटी की ओर से होली पर्व धूमधाम से मनाया गया। इसमें प्रधान कृष्ण गोपाल धीमान,राजेंद्र कौशिक, एनएस रंधावा, एडवोकेट देवी दयाल भारद्वाज, धर्म सिंह जस्सल, कृष्ण कुमार धीमान, बीके शौरी, विनोद कुमार मेहता, वेद प्रकाश कौशिक, सुभाष चंद्र शर्मा, दीदार सिंह, हरि राम धीमान, रवि कुमार धीमान तथा राहुल कुमार धीमान द्वारा सोसायटी कार्यालय में एक दूसरे को गुलाल लगाकर तथा फूल बरसा कर मुंह मीठा करवाकर शुभकामनाएं दी।

निःशुल्क नेत्र और दंत जांच शिविर आज

नारायणगढ़। श्री सनातन धर्म महावीर दल द्वारा प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच एवम दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत रविवार 16 मार्च को स्थानीय बजरंग भवन में निरूशुल्क नेत्र जांच एवं दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।दल के महासचिव राजेश वर्मा ने बताया कि यह शिविर कपिल आई अस्पताल एवं माधव नेत्र बैंक व स्वामी देवीदयाल डेंटल कॉलेज के सहयोग से यह शिविर आयोजित होगा।

लोधर के परीक्षा केंद्र पर नकल करते एक पकड़ा

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की रसायन विज्ञान विषय की परीक्षा के दौरान लोधर गांव के परीक्षा केंद्र पर एक विद्यार्थी नकल करते पकड़ा गया। उडनदस्ता टीम ने विद्यार्थी के खिलाफ यूएमसी बनाई। हालांकि शनिवार को 12वीं कक्षा की अकाउंट और पब्लिक एड विषय की भी परीक्षा थी, जो नकल रहित रही। वहीं इससे पहले भी 11 मार्च को हुई दसवीं कक्षा की विज्ञान विषय की परीक्षा के दौरान लोधर में एक ही सेंटर पर तीन विद्यार्थी दूसरे की जगह परीक्षा देते पाए गए थे। इसमें एक युवती भी शामिल थी।

भाजपा संगठन ऊपर से नीचे तक हमेशा तैयार, छावनी से हम लगातार जीत रहे

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से अंबाला से चंडीगढ़ तक मेट्रो ट्रेन चलवाने की मांग उठाई

मनोहर लाल ने छावनी में पहुंच मंत्री विज, निर्वाचित नपा अध्यक्ष व सदस्यों के साथ होली मनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का अभिनंदन करते हुए मंत्री विज व अन्य। फोटो: हरिभूमि

होली के अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अंबाला छावनी में पहुंच मंत्री अनिल विज, निर्वाचित नपा अध्यक्ष व सदस्यों के साथ होली मनाई। इससे पहले यहां पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान विज ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष अंबाला से चंडीगढ़ तक मेट्रो ट्रेन चलाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ हमारी राजधानी है। मगर चंडीगढ़ तक पहुंचना बहुत मुश्किल होता है। चंडीगढ़ जाने वाली सडक़ पूरी तरह जाम रहती है। लोगों के चंडीगढ़ आने-जाने में कई घंटे लगते हैं। हालांकि इससे पहले केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल ने मंत्री अनिल विज, नगर परिषद में नवनिर्वाचित भाजपा नपा अध्यक्ष व 25 सदस्यों और भाजपा नेताओं के साथ फूलों से होली खेलकर शुभकामनाएं दी। इस दौरान विज ने कहा कि मनोहर लाल के मुख्यमंत्री रहते व उनके सहयोग से हमने अंबाला छावनी का भी और सारे प्रदेश का काम करने की कोशिश की और इनके रहते उन्हें कभी किसी काम में अड़चन नहीं आई। जब भी उन्होंने कोई बात रखी तो मनोहर लाल जी ने उसे हंसते-हंसते स्वीकार किया। सबसे ताजा उदाहरण अंबाला छावनी के डोमेस्टिक एयरपोर्ट का है। एयरपोर्ट के लिए सेना से जमीन लेना बहुत मुश्किल था और सेना से जमीन स्थानांतरित करने के लिए जो कीमत लगाई वह बहुत ज्यादा थी। तब उन्होंने मनोहरलाल से बात की और हंसते-हंसते मनोहर लाल ने एयरपोर्ट की जमीन के लिए 130 करोड़ रुपए अलॉट कर दिए। केंद्रीय शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहरलाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हर समय चुनाव के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारा संगठन पूरी तरह से तैयार है। अंबाला छावनी से बेहतर इस विषय पर कोई नहीं जानता। छावनी से हम लगातार जीत रहे हैं। यहां जो टीम जीतकर आई है उनसे वह आह्वान करते हैं कि वह जनहित में बेहतर कार्य करें ताकि जनता ने जो अपेक्षा उनसे रखी है उन पर वह खरा उतरें। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनाव में अंबाला छावनी, अंबाला शहर व पूरे हरियाणा में भाजपा बड़े अंतर से विजयी हुई है। प्रदेश में पार्टी की पूरी लहर है और चुनाव में भाजपा को जन-जन ने समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस में जो जीतते थे वो अपने परिवार, रिश्तेदारों व दोस्तों ने सत्ता का सुख सीमित रखते थे। इसके विपरीत भाजपा प्रत्याशी जनता को जीताता है तो हम सर्व समाज के लिए कार्य करते हैं। 2014 से हम तीन लोकसभा चुनाव, तीन विधानसभा और दो बार निकाय व ग्रामीण क्षेत्रों के चुनाव जीत चुके हैं। जनता पर भाजपा सरकार ने विश्वास बनाया है। सबका साथ व सबका विकास सरकार ने किया है।

ये रहे मौजूद

मौके पर नप अध्यक्ष स्वर्ण कौर, भाजपा नेता सोम चोपड़ा, जसबीर जस्सी, राजीव गुप्ता, विजेंद्र चौहान, किरणपाल चौहान, बीएस बिंद्रा, श्याम सुंदर अरोड़ा, नरेंद्र राणा, प्रमोद लक्की, रवि बुद्धराजा, हर्ष बिंद्रा, मोहित कौशिक भी मौजूद रहे।

अंबाला। वीसी के दौरान मौजूद प्रशासनिक अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

आपदा प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं को समय पर पूरा करें अधिकारी

- सीएम ने अधिकारियों ने दिए जरुरी निर्देश, गुणवत्ता का भी खास ख्याल रखने की दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाढ़ प्रबंधन के दृष्टिगत परियोजनाओं पर समय रहते पूरी गुणवत्ता के साथ काम होना चाहिए। इन परियोजनाओं के कार्य प्रगति फोटो भी पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा निवास से आयोजित हरियाणा राज्य सुखा राहत एवं बाढ़ प्रबंधन विषय पर वीसी के माध्यम से उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जो भी परियोजनाएं बाढ़ प्रबंधन के तहत स्वीकृत हुई हैं वह समय रहते पूरी होनी चाहिए ताकि वर्षा के दिनों मे जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो सके। इसके साथ-साथ उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वह इन परियोजनाओं के तहत समय-समय पर इनका जायजा भी लें ताकि पूरी गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूरा किया जा सके। उन्होंने बाढ़ प्रबंधन के तहत वर्ष 2024 में स्वीकृत परियोजनाएं की विस्तार से समीक्षा भी की। वीसी के दौरान उपायुक्त ने सीएम को बताया कि इस वर्ष सिंचाई विभाग के माध्यम से जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए 15 परियोजनाएं बनाई गई हैं। इनमें 12 शॉर्ट टर्म की हैं। 3 मीडियम टर्म की हैं। मुख्यमंत्री ने शॉर्ट टर्म की परियोजनाओं की जानकारी ली। सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता मनीष भारद्वाज ने बताया कि 12 शॉर्ट टर्म योजनाओं के तहत जहां पर पिछले वर्ष या उससे पहले भारी वर्षा के होने से या पहाड़ी क्षेत्र से पानी आने के चलते कुछ बांध कमजोर हो गए थे।

ये रहे मौजूद

मुख्यमंत्री ने सभी को स्पष्ट किया कि जल बाढ़ प्रबंधन से जुड़े कार्य समय रहते होने चाहिएं। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता कृष्ण भुक्कल, कार्यकारी अभियंता संदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य विभाग हरबंस सिंह, कार्यकारी अभियंता कर्णबीर सिंह भी मौजूद रहे।

गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप

- पुलिस ने जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

करीब एक साल पहले अंबाला छावनी के खुड्डा वासी अंकुश की उपचार के दौरान मौत के मामले में डेंटल सर्जन व डीएमएलटी की लापरवाही सामने आई है। लंबी जांच के दौरान युवक के उपचार के दौरान लापरवाही उजागर हुई है। इसी आधार पर अब पुलिस ने डेंटल सर्जन व डीएमएलटी के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों में छावनी के निकलसन रोड स्थित एक डेंटल सर्जन है जबकि दूसरा आरोपी अंबाला शहर के टीबी अस्पताल का डीएमएलटी है। पुलिस जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कह रही है। अंबाला छावनी की सुंदरपुरी कॉलोनी के रहने वाले बलवंत ने बताया कि उसके बेटे अंकुश का दांत का उपचार चल रहा था। इस दौरान डेंटल सर्जन ने उसके बेटे को लापरवाही से कोई इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के बाद अंकुश की हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसकी मौत हो गई। बलवंत ने इस मामले में 4 अक्तूबर को सिविल सर्जन कार्यालय में शिकायत की थी। उसके बाद विभाग की तरफ से जांच कमेटी का गठन कर दिया गया था। इस कमेटी में उप सिविल सर्जन डॉ. कुलविंद्र कौर, डॉ. अर्पिता गर्ग, डेंटल सर्जन डॉ. कर्ण, डॉ. राज कमल, फिजिशियन डॉ. अनुज जैन, डॉ. दीपक गुप्ता, नीमा शामिल थी।

लापरवाही उजागर

बलवंत का आरोप है कि डेंटल सर्जन व डीएमएलटी की लापरवाही से उसके बेटे की मौत हुई है। इसी आधार पर लंबी जांच के बाद अब जांच टीम ने बलवंत के आरोपों को सही ठहराते हुए डेंटल सर्जन व डीएमएलटी की लापरवाही उजागर की है। इसी आधार पर अब पुलिस ने जांच शुरू की है। फिलहाल एसएचओ कैंट अजायब सिंह ने बताया कि जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर आरोपियों का आरोप है कि पहली जांच में वे निर्दोष साबित हो चुके हैं। आरोपियों ने केस को भी अदालत में चुनौती देने की बात कही है।

करोड़ों के भुगतान को लेकर किसान फिर उग्र

- बकाया भुगतान जल्द करने की मांग, बोले नहीं तो आंदोलन के लिए विवश होंगे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

नारायणगढ़। बैठक के उपरांत किसान और किसान नेता। फोटो: हरिभूमि

गन्ना मिल में शनिवार को किसानों के बकाया को लेकर संयुक्त किसान मजदूर इंकलाब यूनियन शहीद भगत सिंह यूनियन व गन्ना कमेटी की हुई मीटिंग। मीटिंग के बाद किसान नेता धर्मवीर ढिंडसा अध्यक्ष संयुक्त किसान मजदूर इंकलाब यूनियन बोले की मिल की तरफ अब की तारीख में किसानों का लगभग 57 करोड़ के बकाया हैं। इसी मुद्दे को लेकर यह मीटिंग हुई कि अगर मिल प्रबंधन व प्रशासन किसानों का पूरा भुगतान नहीं करती तो क्या आगामी रणनीति होंगी। ढिंडसा ने कहा की किसानों का बकाया दिलवाना सरकार की जिम्मेवारी है जिसे निभाने में वह विफल है। ढिंडसा ने कहा सहकारी शुगर मिल लगे तो उसका भी स्वागत। जब तक मिल नहीं लगती मौजूदा मिल से बकाया दिलवाए सरकार व प्रशासन। उन्होंने कहा की जब तक मौजूदा मिल चल रही है तो इसके सर्विस एरिया जो की 25 किलोमीटर बनता है दूसरी मिल नहीं लग सकती। इस पर सरकार को विचार करना चाहिए। हमने पहले भी यह मुद्दा उठाया था और इसी के बाद मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर अध्यन की घोषणा भी की थी जो की एक सार्थक कदम नजर आता है। विक्रम राणा ने कहा मिल मुद्दे पर बकाया को लेकर कहा कि अगर समय पर पेमेंट नहीं दी तो सख्त निर्णय लिया जाएगा। इस अवसर पर काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

बसपा कार्यकर्ताओं ने कांशीराम को दी श्रद्धांजलि

- भानोखेड़ी में बसपा की ओर से साहेब कांशीराम का मनाया गया जन्मदिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। बसपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

बहुजन समाज पार्टी की ओर से भानोखेड़ी में साहेब कांशीराम का जन्मदिवस मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बामसेफ व बसपा के संस्थापक साहेब कांशीराम को श्रद्धांजलि भी दी। इस दौरान बसपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं को कैथल में प्रस्तावित रैली के लिए भी निमंत्रण दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रवीण कुराली जोन प्रभारी,विशिष्ट अतिथि सरदार गुरनाम सिंह, वरिष्ठ नेता रविंद्र सिंह धीमान भी यहां पधारे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील कुमार सोनू अध्यक्ष विधानसभा ने की। जबकि जिला उपप्रधान अरूण कुमार मंडौर, मुकेश कुमार वाल्मिकी जलबेहड़ा, सर्वजीत सिंह वाल्मिकी लखनौर साहिब,मलकीत सिंह जिला कैशियर, राम कुमार कश्यप, ओमप्रकाश कश्यप, राजकुमार मोखा माजरा, कर्म सिंह बिडंगा, अजय मटहेड़ी, प्यारा सिंह कश्यप, लाभ सिंह वाल्मिकी,राम सिंह मोहड़ी, दयाराम सुल्लर,दविंद्र सिंह, रीना देवी,सोना देवी,सुन्हरी देवी, जीत राम, अशोक, जसवंत सिंह भी यहां विशेषतौर पर मौजूद थे।

अमन चैन के लिए दुआ मांगी

- रजा ए मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी की ओर से हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। इफ्तार पार्टी के दौरान मौजूद मुस्लिम समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

रज़ा-ए-मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी द्वारा रणजीत नगर स्थित बादशाही मस्जिद मे रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। सोसायटी के प्रधान मेराज आलम ने बताया कि इफ्तार पार्टी में रोजेदारों ने अमन चैन के लिए दुआ मांगी। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया है। माह ए रमजान एकता व भाईचारगी की सीख देता है। हमें मिल जुलकर त्यौहार मनाना चाहिए। हर धर्म का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इफ्तार से आपसी मोहब्बत और भाईचारा का माहौल बनता है। इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिए। रमजान का महीना पाक महीना है। सब लोग आने वाले त्यौहार ईद को मिल जुल के मनाएं। इस अवसर पर मोहम्मद मासूम रज़ा, मोहम्मद नूर आज़म, जुनैद अंसारी, कलीम अशरफ, रहमत भाई, मोहम्मद सलीम, बबलू, मोहम्मद फारूक, इसरार, मोहम्मद इब्राहिम, मो.नौशाद, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद आसिफ़, अरशद , फरमान हसन, मेहंदी हसन भी मौजूद रहे।

स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने श्रद्धालुओं के साथ खेली फूलों की होली

होली खेल रहे नन्द लाल वृंदावन कुंज गली में...

- श्रीकृष्ण कृपा धाम गीता मदिर में हुआ होली मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। होली मिलन कार्यक्रम में नवनिर्वाचित मेयर शैलजा सचदेवा गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद को पुष्प गुच्छ भेंट करते। फोटो: हरिभूमि

अंबाला शहर के सेक्टर 8 स्थित श्रीकृष्ण कृपा धाम गीता मंदिर में होली मिलन कार्यक्रम महामण्डलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में बड़ी धूमधाम व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इमें वृंदावन से पधारी बहन अर्चना बावरी ने अपने भजनों से श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। इस अवसर पर रसिक रतन जी रतन द्वारा जब भजन ''भांवे चंगियां, भांवे मंदियां, मैं तो तेरे रंगा दे बिच रंगी हां'' तथा '' होली खेल रहे नन्द लाल वृंदावन कुंज गली में'' गाया तो सारा वातावरण भक्तिमय बन गया। ऐसा लग रहा था कि सभी वृंदावन में होली का उत्सव मना रहे हैं। होली मिलन कार्यक्रम में नगर की नवनिर्वाचित मेयर शैलजा सचदेवा एवं उनके पति संदीप सचदेवा ने स्वामी ज्ञानानंद का आशीर्वाद लिया। स्वामी सिरोपा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि फाल्गुन मास की पूर्णिमा एवं चैत मास की संक्रांति पर मनाया जाने वाला यह उत्सव सनातनी परम्परा एवं आस्था का पर्व है। होली के पर्व के बहुत गहन भाव हैं। उन्होंने कहा कि लाखों वर्ष बीत जाने पर भी इस उत्सव में सनातनी परंपरा के दर्शन होते हैं। होली के अवसर पर अपना संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि विश्वास की हमेशा जीत होती हैं अंहकार सदा हारता ही है। मीरा का विश्वास अटल रहा जबकि राणा का अहंकार टूट गया। मीरा ने तो विष में भी परमात्मा के दर्शन किए। हिरण्य कश्यप का अहंकार टूट गया परंतु प्रह्लाद का विश्वास कायम रहा। गीता मनीषी ने कहा कि जिसका विश्वास पक्का रहा वह हमेशा जीता। भक्त प्रहलाद को लेकर होलिका अग्नि में बैठ गई लेकिन अग्नि में होलिका जल गई परंतु प्रह्लाद जीवित निकल गया।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

सनातन धर्म के अध्यक्ष सतीश चावला एवं महेश दत्त वशिष्ठ, जुगल किशोर शर्मा ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज का स्वागत किया। इस अवसर पर अशोक चावला, अनुभव अग्रवाल, राजेश चावला राजू, पवन चावला, जगदीश सचदेवा, रविंद्र चोपड़ा, दिनेश ग्रोवर, योगेश चावला, शाम जुनेजा, विजेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष दिनेश, भाजपा जिलाध्यक्ष मंदीप राणा, वीनू गर्ग, दीपक गांधी, पूर्व मंत्री असीम गोयल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पारसनगर से 200 केवीए ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने का प्रयास, विरोध में उतरे लोग

अंबाला। अंबाला छावनी की पारस नगर कॉलोनी के लोगों ने अब बिजली एवं परिवहन मंत्री अनिल विज से कॉलोनी में लगे 200 केवीए के ट्रांसफार्मर को शिफ्ट न करने का आग्रह किया है। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि गैर आसामाजिक तत्व इस ट्रांसफार्मर को कॉलोनी से शिफ्ट करवाने का प्रयास कर रहे हैं। इस सिलसिले में एसडीओ बिजली निगम को भी शिकायत भी भेजी गई है। पारसनगर वेलफेयर सोसायटी के प्रधान सुरजीत सैनी, महासचिव कैप्टन बीएस मलिक, कैप्टन राजेश यादव, सुरेंद्र सिहं ने बताया कि इससे पहले उनकी कॉलोनी में बिजली का घोर संकट था। इस संकट से निपटने के लिए तब कॉलोनी के लोगों ने मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर यहां 200 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाने का आग्रह किया था। विज ने तब उनकी मांग को स्वीकार करते हुए 16 मार्च 2023 को कॉलोनी में 200 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवा दिया था।

URGENTLY REQUIRED
THE POSTAL AND RMS EMPLOYEES COOP BANK LTD
(A Multi State Bank duly approved by RBI with Over 550 Crore)Working Capital and Consistently Growing and Progressing looking to fill up the following post

Name of Post	Age as on 01.01.2025	Qualification & Experience
Senior Manager No of Post (one)1	Maximum Age 45 year Pay Scale 52500-123700	1. M.Com 2. CAIIB/Diploma in Coop Banking 3. CA/ICWA/ACS/MBA(Finance) 4. 5 year experience in Supervisory Capacity in Bank/ Commercial Institution *All above 4 requirement are necessary

There is ample growth opportunity in the organization in the long run.
Those who deserve for the desired post should submit their application along with all relevant qualification and experience certificates by email on hrd@postalrmsbank.in within 25 days from the date of publication of this advertisement. No application will be accepted in person
Date 16.03.2025 Sd/- CHIEF EXECUTIVE OFFICER

हरिभूमि रविवार भारती

haribhoomi.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक रविवार 16 मार्च 2025

आज के दौर में अकसर देखा जाता है कि अधिकतर युवा आपस में बातचीत के दौरान भाषा की मर्यादा का ध्यान नहीं रखते हैं। वे अपनी पर्सनालिटी को बिंदास दिखाने के लिए प्रायः ऐसा करते हैं। सच्चाई यह है कि इससे न केवल उनकी सोशल इमेज बिगड़ती है, वर्कप्लेस पर आगे बढ़ने की राह में भी ऐसी भाषा रुकावटें पैदा करती है। इसलिए संवाद के दौरान सजग रहना जरूरी है।

आपसी संवाद की भाषा हो
मर्यादित-सकारात्मक-मधुर

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

वर्चुअल दुनिया में परोसे गए कंटेंट की अमर्यादित भाषा को लेकर चल रही बहस के बीच हर किसी के लिए सभ्य शब्दों का महत्व समझना आवश्यक है। आभासी संसार से कहीं ज्यादा, असली दुनिया में सधी संतुलित अभिव्यक्ति जरूरी है। खासकर कूल बनने और कमाल का व्यक्तित्व हो जाने की भूल-भुलैया के इस दौर में युवाओं को यह बात समझनी ही होगी। जरूरी है कि अपने वर्कप्लेस पर भी शब्दों की सभ्यता का दामन थामे रहें। सधी छवि और सफल भविष्य के लिए वर्कप्लेस पर सभ्य भाषा बहुत मायने रखती है।

शब्दों से जुड़ा सम्मान

काम-काजी संसार में किसी भी तरह के लिखित या मौखिक बातचीत में असभ्य शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें। किसी भी परिस्थिति में न तो असभ्य शब्द लिखें और न ही बोलें। ध्यान रहे कि आपके शब्दों से स्वयं का सम्मान भी जुड़ा है। यह न भूलें कि दूसरों के मन और मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्द इस्तेमाल करने वाले खुद भी किसी से इज्जत नहीं पाते हैं। बावजूद इसके ऑफिस में भी ह्यूमर के नाम पर किसी सहकर्मी या सहायक स्टाफ की हंसी उड़ाने की गलती बहुत से लोग करते हैं। इस तरह के असामान्य और कुंठाग्रस्त व्यवहार के घेरे में आने से बचने के लिए पहले ही कदम पर सजगता जरूरी है। वरना जाने-अनजाने कुछ भी कह-सुना देने की आदत बनती जाती है। बिना सोचे-समझे मुंह से अभद्र शब्द निकलने लगते हैं। करियर को नुकसान पहुंचाने वाली यह आदत खुद आपको भी एक कुंठित व्यक्तित्व ही देती है। जोश भरे युवाओं को हर पल याद रखना चाहिए कि काम-काजी दुनिया में अनुशासित रहना बहुत आवश्यक है। अच्छी भाषा, इसी अनुशासन का हिस्सा है। अनुशासन के दायरे में रहते हुए सदा सकारात्मक ढंग से बातचीत करने की राह चुनने में ही समझदारी है। किसी के साथ भी असभ्य संवाद करने से पहले याद रखिए कि ये शब्द स्वयं आपके सम्मान से भी जुड़े हैं।

इमेज पर पड़े बुरा प्रभाव

बातचीत में इस्तेमाल होने वाले अभद्र शब्द, इंसान की बॉडी लैंग्वेज भी बिगाड़ देते हैं। बोलने वाले के हाव-भाव को भी नेगेटिव रंगत में ढाल देते हैं। शब्दों पर कंट्रोल न करना, इंसान की बॉडी लैंग्वेज को अजीबो-गरीब बना देता है। समझना मुश्किल नहीं कि ऐसी सभी बातें व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करती हैं। जो सीधे-सीधे वर्कप्लेस पर आपकी इमेज बिगाड़ने वाली साबित होती हैं। वहीं सोच-समझकर बोलना, न केवल आपका फर्स्ट इंप्रेशन पॉजिटिव बनाता है बल्कि आगे भी आपकी सकारात्मक छवि को कायम रखता है। सोशल लाइफ हो या प्रोफेशनल, सोशल एटिकेट्स हमेशा मायने रखते हैं। आपको यह समझना चाहिए कि बातचीत में गलत शब्दों का चुनाव, आपको असहयोगी और अकड़ू व्यक्ति का तमगा दिलाने वाला बर्ताव साबित हो सकता है।

बेहतरी के लिए सही भाषा जरूरी

काम-काजी दुनिया में आपसे जुड़े सीनियर हों या जूनियर, सही सोच और अच्छे मैनर्स से सबका दिल जीता जा सकता है। स्पष्ट है कि इससे करियर में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है। बेहतर प्रोजेक्ट्स आपके हिस्से आते हैं। इतना ही नहीं सभ्य भाषा और सधा बर्ताव कई बार आपको किसी तकलीफ में फंसने से भी बचा लेता है। सहकर्मियों के साथ किया गया मीनिंगफुल और माइंडफुल संवाद काम-काज के लिए पॉजिटिव परिवेश बनाता है, जिसके चलते लोगों का दिल जीतने के साथ-साथ कामयाबी भी आपके हिस्से आती है। मन जीतने के इन सभी मोर्चों पर अच्छी भाषा सबसे ज्यादा मायने रखती है। असल में देखा जाए तो सकारात्मक शब्दों और सभ्य बोलचाल के प्रभाव का यह सिलसिला इंटरव्यू से ही शुरू हो जाता है। बावजूद इसके युवाओं की अजीबो-गरीब भाषा शैली आज चिंता का विषय बन गई है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि आमतौर पर युवा बेझिझक अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इस बर्ताव के पीछे मौजूद साइकोलॉजिकल कारण बताते हैं कि आज की युवा पीढ़ी बोलने या करने से पहले कुछ नहीं सोचती। साथ ही वे इस बात से भी प्रभावित नहीं होते कि कोई उनके बारे में क्या सोचेगा? या उनके बोले शब्दों का किसी पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सच्चाई यह है कि जीवन का कोई पक्ष, अशिष्ट शब्दों के नकारात्मक असर से नहीं बच पाता है। जरूरी है कि युवा आज के दौर में बढ़ती शाब्दिक अभद्रता की संस्कृति से बचें। दफ्तर में भावों, विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए संयत और सभ्य शब्दों का चुनाव करें। सधे व्यक्तित्व की सौगात देने वाला यह व्यवहार आपके लिए सदा ही बेहतरी के मार्ग खोलने वाला साबित होगा। *

संवाद से जुड़ा कारगर फॉर्मूला

प्रसिद्ध शोधकर्ता अल्बर्ट मेहराबियन द्वारा दिए गए 55-38-7 का फॉर्मूला बताता है कि कम्युनिकेशन 55 फीसदी नॉन वर्बल (शारीरिक भाषा यानी हाव-भाव) और 38 प्रतिशत वोकल (स्वर के द्वारा) होता है। संवाद में सिर्फ 7 फीसदी हिस्सा ही वर्बल यानी शब्दों से प्रकट होता है कि आप वास्तव में क्या कहते हैं? ऐसे में मजाक हो या प्रतिक्रिया देना, गलत शब्दों का इस्तेमाल आपकी अभिव्यक्ति की पूरी श्रृंखला ही बिगाड़ सकता है। इसलिए हर किसी को संवाद के दौरान अपने शब्दों के इस्तेमाल को लेकर पूरी तरह सजग रहना चाहिए।

इन दिनों आप अकसर बातचीत के दौरान अलग-अलग पीढ़ियों के लिए कुछ खास नाम सुनते होंगे, जैसे जेन एक्स, मिलेनियल, जेन जेड, बेबी बूमर्स आदि। आपके मन में सवाल उठता होगा कि आखिर ये नाम कैसे रखे जाते हैं? इनकी क्या विशेषताएं हैं? आइए, इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं।

एक-दूसरे से अलग-अनोखी है
हर जेनरेशन की कहानी

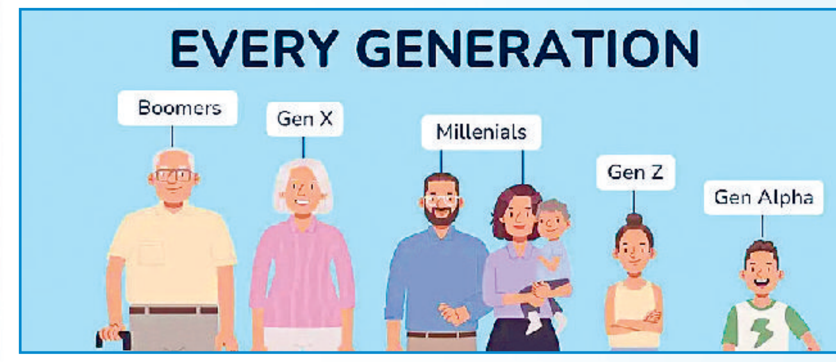

सोशल ट्रेंड

शिखर चंद जैन

एक समय तक आम चलन में नई और पुरानी पीढ़ी का ही जिक्र किया जाता रहा है। लेकिन अब अलग-अलग पीढ़ी को अलग नामों से भी जाना जाता है। इनका चलन हाल के सालों में तेजी से बढ़ा है।

कैसे तय होता है पीढ़ियों का नाम: पीढ़ियों का नाम तय करना, श्रमसाध्य, विचारपरक और कई चीजों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। यह एकेडमिक अनुसंधान, मीडिया के प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव पर निर्भर करता है। जनसांख्यिक और समाजशास्त्री जनसंख्या सर्वेक्षणों, जन्म दरों और सामाजिक परिवर्तनों की पहचान के आधार पर ये नामकरण करते हैं। हां, इसे लोकप्रिय और प्रचलित करने का काम मीडिया का होता है।

नया ट्रेंड है पीढ़ियों का नामकरण: पीढ़ियों के नामकरण और श्रेणीबद्ध करने की परंपरा बहुत पुरानी नहीं है। 20वीं सदी की शुरुआत में इसका चलन शुरू हुआ है। इस वक्त जनसांख्यिकों और समाजशास्त्रियों ने जनसंख्या का विश्लेषण और सामाजिक बदलाव को दर्ज करना शुरू कर दिया था। पीढ़ियों के नाम महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक घटनाओं, विभिन्न आयु वर्ग की आदतों और समय विशेष पर आधारित होने लगे। अब आपको बताते हैं, अब तक की अलग-अलग पीढ़ियों के नामकरण के बारे में।

बेबी बूमर्स: वर्ष 1946 से 1964 के बीच जन्मे बच्चों को बेबी बूमर्स कहा गया। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक बेबी बूम आया था, जब दुनिया में जन्म दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस पीढ़ी ने 60 के दशक के बड़े सामाजिक परिवर्तन देखे। इसी दौरान कार्पोरेट जगत का उदय हुआ और और लोगों की जीवनशैली पर इस संस्कृति का खासा प्रभाव पड़ा। उस दौर के लोग आज सीनियर सिटिजन हो चुके हैं।

जेनरेशन एक्स: 1965 से 1980 के बीच जन्मे बच्चे, जेनरेशन एक्स कहलाते हैं। इस दरमियान समाज में कोई उल्लेखनीय और व्यापक परिवर्तन नहीं हुए। यद्यपि उस पीढ़ी के बच्चों ने पर्सनल कंप्यूटर का उद्भव होते देखा है। उस दौर के लोग अब मिड एज क्रॉस कर ओल्ड एज की ओर बढ़ रहे हैं।

मिलेनियल/जेन वाई: 1981 से 1996 के बीच जन्मे बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। उस पीढ़ी के लोगों ने 'मी जेनरेशन' या 'ईको बूमर्स' भी कहा जाता है। उस पीढ़ी को अपने में ही डूबे रहने, एकलवाद, डिजिटल टेक्नोलॉजी की जानकार और आर्थिक रूप से संपन्न माना गया। ये पीढ़ी मैटीरियल पजेजन से ज्यादा एक्सपीरियंस को महत्व देती थी।

जेनरेशन जेड: 1990 के मध्य से 2010 तक के दशक की शुरुआत तक जन्मी पीढ़ी को जेन जेड कहा जाता है। इस पीढ़ी को इसकी ग्लोबल कनेक्टिविटी और एंटरप्रेन्योरल स्पिरिट के लिए जाना जाता है। इन्हें कहीं-कहीं आई जेनरेशन और डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है। इस पीढ़ी के बच्चे स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और सूचनाओं के त्वरित ग्रहण और उसे दूसरों तक प्रसारित करने के लिए जाने जाते हैं। ये पीढ़ी अभी युवावस्था से गुजर रही है।

जेनरेशन अल्फा: 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे जेनरेशन अल्फा के बच्चे कहलाते हैं। अल्फा 21वीं सदी की पहली पीढ़ी कही जा सकती है। यह पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑगमेंटेड रियलिटी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साए में जन्मी, पली और बड़ी हुई है। उनकी शिक्षा, खेलकूद, एंटरटेनमेंट सब कुछ टेक्नोलॉजी से अत्यधिक प्रभावित है। यह पीढ़ी अभी टीनएज से गुजर रही है। इसके बाद इसी साल एक जनवरी 2025 के बाद से जन्म लेने वाली पीढ़ी को जेन बीटा का मेंबर माना जा रहा है। इनके जीवन के हर पक्ष में तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव दिखेगा।

एक पीढ़ी के गुणों में समानता: यह एक जटिल प्रश्न है कि क्या दुनिया भर में जन्मे एक पीढ़ी के लोगों में समानता होती है? यह काफी कुछ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घटने वाली घटनाओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, वातावरण एवं सामाजिक ढांचे पर निर्भर करता है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट युग में जन्मी ग्लोबल युवा पीढ़ी के बहुत सारे गुण और आदतें लगभग एक समान होते हैं। *

क्या है सैंडविच पीढ़ी

सैंडविच पीढ़ी का अर्थ मध्यम आयु वर्ग यानी 45 से 55 वर्ष के इर्द-गिर्द के व्यक्तियों से है। इन पर अपने बुजुर्ग माता-पिता और युवा बच्चों दोनों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी है। सैंडविच पीढ़ी का नाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि वे अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के दायित्व और किशोरावस्था से युवा होते बच्चों की नई-नई फरमाइशों और चाहतों के बीच 'सैंडविच' जैसी स्थिति में होते हैं। ये कम ऊर्जावान, थके-थके से या बीमारियों से जूझने वाले हो सकते हैं। विभिन्न कार्य करने में असमर्थ हो सकते हैं या इनका वित्तीय रुप से अकसर हाथ तंग हो सकता है। इन्हें इस उलझन से गुजरना पड़ता है कि मां-बाप के लिए दवा और तीर्थाटन की व्यवस्था करें या बच्चों को महंगे गैजेट्स और ब्रांडेड कपड़े खरीदकर दें।

छोटी कहानी

सुनील कुमार महला

शर्मिंदा

ऑटो रिक्शा में अनिल के बगल में आकर वह व्यक्ति जैसे ही बैठा, उसने अपना एक हाथ अनिल के बैग पर रख दिया। अनिल ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन उस आदमी ने हाथ रखने की जो वजह बताई, अनिल खुद पर शर्मिंदा हो गया।

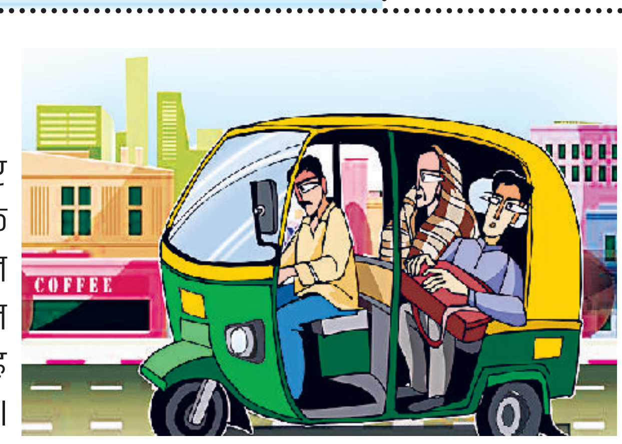

रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा अनिल, बस स्टैंड जाने के लिए ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था। तभी एक ऑटो रिक्शा वाला तीस रुपए में बस स्टैंड जाने के लिए तैयार हो गया। अनिल ने अपने दो भारी-भरकम बैग ऑटो रिक्शा में रखे और स्वयं भी उसमें सवार हो गया। ऑटो रिक्शा में अनिल अकेला ही बैठा था। जब कोई अन्य सवारी ऑटो में बैठने नहीं आई तो उसने अपने एक बैग को ऑटो रिक्शा की सीट पर ही रख दिया, ताकि पैरों के पास सामान रखने से उसे ऑटो रिक्शा में बैठने में कोई दिक्कत-परेशानी न हो। शाम का समय था, ठंडी हवाएं चल रही थीं, इसलिए अनिल ने अपने चेहरे को मफलर से ढंक रखा था। ऑटो रिक्शा वाला अभी एक अन्य सवारी के इंतजार में था। थोड़ी देर में एक लंबा व्यक्ति, जो कंबल ओढ़े हुआ था, बस स्टैंड जाने के लिए उसी ऑटो रिक्शा के पास आया। ऑटो रिक्शा वाले ने उस व्यक्ति को भी ऑटो में बिठाया। वह लंबा व्यक्ति ऑटो रिक्शा में उस साइड में बैठ गया, जिधर सीट पर अनिल का सामान से भरा हुआ भारी-भरकम बैग रखा हुआ था। ऑटो रिक्शा में सवार होते ही कंबल ओढ़े हुए उस व्यक्ति ने अपना दायां हाथ बैग के ऊपर रख दिया और संभल कर बैठ गया। ऑटो रिक्शा वाला गंतव्य की ओर चल पड़ा। तभी अनिल ने ऑटो रिक्शा में बैठे उस व्यक्ति की ओर देखते हुए थोड़ा गुस्से में कहा, 'भाई साहब! जरा ध्यान से बैठें और हां, बैग को इतना दबाव देते हुए न पकड़ें। दरअसल, बैग में बच्चों के लिए कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है और आपके हाथ के दबाव से इसमें रखा सामान टूट सकता है।'

कंबल ओढ़े हुए वह व्यक्ति अनिल की बात सुनकर एकदम से सकपका गया, उसने अनिल से कहा, 'अरे भाई साहब मुझसे गलती हो गई! मुझे नहीं पता था कि इसमें आपका कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है। दरअसल, वो क्या है कि मेरा एक ही हाथ है न! ऑटो रिक्शा जब ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेजी से चलता है, तब एकदम से ऑटो रिक्शा में अपना बैलेंस बनाना मुश्किल होता है इसलिए, थोड़ा सहारा लेने के लिए, भूलवश मैंने आपके सामान से भरे बैग पर अपना हाथ रख दिया। इसके लिए मुझे माफ कर दीजिए, मैं बहुत शर्मिंदा हूं।' उस व्यक्ति की ये बातें सुनकर अनिल उसे एकटक देखता ही रह गया। दरअसल, अनिल ने कंबल ओढ़े व्यक्ति को ऑटो रिक्शा में बैठते समय एकबारगी देखा जरूर था, लेकिन उस व्यक्ति के कंबल ओढ़े रहने के कारण सुनील को इस बात का अहसास ही नहीं हुआ था कि जो व्यक्ति ऑटो में उसके साथ बैठा था, उसके एक ही हाथ है। अनिल अब अपने रूखे बर्ताव पर मन ही मन शर्मिंदा महसूस कर रहा था। *

गजल

अब्दुल कलाम

हम अमर होते

सुबह शाम उनकी नजर होते
आइना काश हम अगर होते

तुरबतें अपनी भी बाकमाल होती
हम जो मीर, गालिब या जफर होते

खत में पता ही गलत था वरना
गए हम भी उनके शहर होते

बैठ जाते घनी छांव में थक कर
हमारे जीवन का जो तुम शजर होते

तुम्हारी याद में जीते और याद में
मर कर भी हम अमर होते

तुमने देखा ही नहीं उस रोज का अखबार
वरना हमारे हाल से तुम बाखबर होते

लघुकथा

गोविंद भारद्वाज

बदलते हुए मायने

अपने बेटे के लिए सोनाक्षी को देखने आईं सावित्री ने कहा, 'आपकी बेटी सोनाक्षी हमें बहुत पसंद है, बस अब आपकी हां की जरूरत है।'

'हमारी तो हां है बहन जी... इसलिए तो आपको लड़की दिखाने के लिए बुलाया है।' पार्वती ने खुश होकर जवाब दिया।

'तो देर किस बात की है... मुंह मीठा कराइए...' सावित्री ने तपाक से कहा।

इस पर पार्वती ने विनम्रता से कहा, 'बहनजी रिश्ता पक्का करने से पहले दान-दहेज की भी खुल के बात कर लें तो ठीक रहेगा... ताकि आगे चलकर संबंधों में कोई खटास न आए।'

'बात तो आप ठीक कह रही हैं। इस बारे में मेरी राय यह है कि दहेज से तो हमें सख्त नफरत है... हां रही दान की बात, आप जितना भी देंगे अपनी इकलौती बिटिया को देंगे... इससे हमें कोई ऐतराज नहीं होगा।' सावित्री ने अपने मन की बात कही।

इस पर सोनाक्षी के पिताजी ने अपनी धर्मपत्नी पार्वती को दूसरे कमरे में बुलाया और उनसे धीरे से कहा, 'देखा पार्वती... कितनी चालाक हैं ये... दहेज से नफरत है और दान से नहीं... बातों-बातों में शब्दों के हेर-फेर से दहेज लेने की बात भी कह दी।'

पार्वती बोली, 'तुम ठीक कह रहे हो सोनाक्षी के पापा... मायने में तो दान और दहेज कोई अलग-अलग शब्द नहीं हैं।'

'क्या बातचीत हो रही है हमारे समधी-समधन में...' सावित्री ने उन्हें फुसफुसाते देखकर बाहर वाले कमरे से पूछा।

'कुछ नहीं बस, हम दुनिया के बदलते हुए मायने पर विचार कर रहे थे।' पार्वती ने जवाब दिया। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मोहब्बत की दास्तानें

सारी दुनिया में मोहब्बत पर अब तक असंख्य कहानियां लिखी जा चुकी हैं। लेकिन यह ऐसा एहसास है, जिसे हर कोई अपनी तरह से महसूसता है, उसे बयां करता है। यह एहसास, वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय द्वारा लिखी गई पंद्रह प्रेम कहानियों के संकलन 'मितऊ' की कहानियों से गुजरते हुए और पुख्ता होता है। इन कहानियों में अलग-अलग उम्र और परिवेश के पुरुष और स्त्री के बीच पनपे प्यार के जज्बातों को पूरी संजीदगी से व्यक्त किया गया है। संग्रह की 'विकल्प' कहानी को अगर छोड़ दिया जाए तो अधिकतर में प्यार अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाता है। या कहें, सभी में अलग-अलग भावभूमि और जीवन-परिस्थितियों के आगे विवश, प्रेमी युगल विरह की टीस के साथ एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं। इन कहानियों की विशेषता यह भी है कि इनके नायक-नायिकाओं में कहीं भी देहासक्ति नजर नहीं आती है, प्रेम की पवित्र भावना की गरिमा बनाए रखना उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसे कई कहानियों में देख सकते हैं। फिर वो चाहे 'मेज नंबर सात' का लाइब्रेरियन हो या 'चौथे पहर का विरह गीत' का पत्रकार, प्रेम की मर्यादा को कभी नहीं लांघते हैं। यही इन कहानियों की खूबसूरती भी है, जो इन्हें बेहद पठनीय बना देती है। *

पुस्तक: मितऊ (कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात का दुबई शहर, पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती और आधुनिक सुख-सुविधाओं के लिए जाना जाता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए शहर की व्यवस्थित प्लानिंग, प्रशासनतंत्र और स्थानीय लोगों का सामूहिक योगदान है। कुछ समय से दुबई में रह रहे लेखक ने वहां की खासियतों को स्वयं अनुभव किया है। उसी को बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

आधुनिकता-विविधता को समेटे शानदार-खूबसूरत शहर दुबई

बेमिसाल
जोगिंदर रोहिल्ला

दुनिया के कई देशों में रहने और काम करने का अनुभव मुझे मिलता रहा है। फिलहाल दुबई में हूं। इस शहर की कई विशेषताएं ऐसी हैं, जो इसे दुनिया भर से अलग बनाती है। यह शहर आधुनिकता, विविधता और स्वच्छता का अनोखा संगम कहा जा सकता है। इस शहर की सड़कों से गुजरते हुए, मुझे इसकी हरियाली, चमचमाती गगनचुंबी इमारतें और अनुशासित जीवनशैली बहुत प्रभावित करती है। 'हरियाली' शब्द पढ़कर आप चौंक तो नहीं गए! दुबई तो संयुक्त अरब अमीरात में है, जो रेगिस्तानी इलाके के रूप में जाना जाता है। तो यहां हरियाली कैसे? शुरू-शुरू में मुझे भी यही आश्चर्य हुआ था, लेकिन सच यह है कि यहां के बहुत से रिहायशी इलाके बहुत ही व्यवस्थित ढंग से हरे-भरे नजर आते हैं।

इमारतों-सड़कों का आकर्षण: दुबई अपनी गगनचुंबी इमारतों और अद्वितीय वास्तुकला के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बुर्ज खलीफा, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है, दुबई की पहचान बन चुकी है। लेकिन यही नहीं इस शहर की लगभग हर ऊंची इमारत में कोई न कोई ऐसी खासियत है, जो इसे अलग बनाती है। ये खूबसूरत-गगनचुंबी इमारतें न केवल आधुनिकता का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे दुबई का भविष्य भी झांकता दिखाई देता है। दुबई शहर की मुख्य सड़क शेख जायद रोड, जिसके दोनों ओर शानदार इमारतें हैं, ऐसा स्थान है, जो शहर की गतिशीलता और ऊर्जा को भी दर्शाती है। रात के समय इमारतों की जगमगाती रोशनी और सड़कों पर दौड़ती गाड़ियां अत्याधुनिक शहर का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

मन मोहती स्वच्छता: दुबई में कदम रखते ही सबसे पहली बात, जो ध्यान आकर्षित करती है, वह है यहां की बेहतरीन स्वच्छता। चारों तरफ इतनी सफाई रहती है कि आप हैरान हो जाएंगे। मैं दुबई मरीना एरिया में कुछ दिन रहा और नोट किया कि सूरज निकलने से काफी पहले ही म्युनिसिपैलिटी के सफाई कर्मचारी अपने काम में लग जाते हैं और निश्चित करते हैं कि सफाई में कोई भी कमी न रहे। दुबई का हर कोना मानो, यह संदेश देता है कि स्वच्छता ही असली सुंदरता है।

सभी करते हैं नियमों का पालन: यातायात संबंधी कोई परेशानी यहां नजर नहीं आती है। सभी यातायात नियमों का पालन करते हैं। इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए अगर आप सड़क पार करते समय निर्धारित स्थानों का उपयोग नहीं करते हैं तो आपको स्थानीय 400 दिरहम (एईडी) का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह न केवल लोगों को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि शहर की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखने में भी मदद करता है। बहुत सारे विकसित देशों की तरह ही दुबई में भी सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

सी-बीच के लाजवाब नजारे: दुबई के समुद्र तट भी इसकी खासियतों में से एक हैं। साफ-सुथरे और व्यवस्थित समुद्र तटों पर समय बिताना किसी जादुई अनुभव से कम नहीं होता है। मुझे विशेष रूप से दुबई की बीच लाइब्रेरी बहुत पसंद आई। समुद्र किनारे किताबें पढ़ने का अनुभव अनोखा और सुकून भरा होता है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि ज्ञानवर्धन का भी। इन तटों पर सुबह-सुबह की सैर और सूर्यास्त के समय का दृश्य मन को असीम शांति प्रदान करता है। दुबई स्थित मरीना बीच और जुमेराह बीच का साफ और व्यवस्थित वातावरण इसे और भी खास बनाता है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन भी किया जाता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

दिखती है अनेकता में एकता: दुबई शहर की एक विशेषता, यहां विविधताओं का अनोखा संगम भी है। यहां 100 से अधिक देशों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। अलग-अलग संस्कृति, भाषा और परंपराओं के बावजूद यहां के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। इतनी विविधता के बावजूद, दुबई एकता की मिसाल कायम करने वाला शहर है। यहां की दुकानों और बाजारों में विभिन्न देशों के व्यंजन और उत्पाद आसानी से मिल जाते हैं, जो इस सांस्कृतिक समृद्धि को और भी उजागर करते हैं।

हर जगह दिखती है सुचारु व्यवस्था: दुबई की सार्वजनिक सेवाएं भी बेजोड़ हैं। यहां की मेट्रो सेवा, बस सेवा और टैक्सी सेवा इतनी व्यवस्थित है कि किसी को भी यात्रा करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां का सार्वजनिक परिवहन इतना सुविधाजनक है कि आप बिना किसी परेशानी के शहर के कोने-कोने तक पहुंच सकते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली इतनी तेज और प्रभावी है कि समय का सम्मान हर जगह नजर आता है।

दुनिया के कई देशों में घूमने के बाद, दुबई ने मुझे यह सिखाया है कि जब विविधता, अनुशासन और स्वच्छता का संगम होता है, तो एक बेहतर शहर-समाज का निर्माण होता है। *

बेमिसाल है मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी

दुबई में कोई पुस्तकप्रेमी पर्यटक आए और मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी न जाए, यह तो हो ही नहीं सकता है। वैसे भी मैं दुनिया में जिस भी नए शहर जाता हूं, वहां की लाइब्रेरी जरूर देखता हूं। लेकिन मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी को देखकर यही कहने को दिल करता है कि ऐसी लाइब्रेरी कोई और नहीं है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग भी बुक शेप्ड है। यहां टेक्नोलॉजी और किताबों को बहुत ही अच्छे तरीके से एक जगह पर संजोया गया है। इस लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों पर बेशुमार पुस्तकें और उनके डिजिटल फॉर्मेट्स बुक लवर्स के लिए उपलब्ध हैं।

यादगार नए साल का स्वागत

इस साल दुबई में नए साल (वर्ष 2025) का स्वागत करना मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव रहा। मरीना बीच पर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन, संगीत और खुशियों की गूंज ने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। नए साल के मौके पर सड़कों पर उमड़ी भीड़ और हर चेहरे पर खुशी की चमक इस शहर की जिंदादिली का प्रतीक थी। उसे देखकर यही लगा कि यहां के उत्सवप्रेमी लोग खुशी के हर अवसर को उल्लास से भर देते हैं।

सेल्फ मोटिवेशन
अतुल मलिकराम

गरीबी केवल आर्थिक स्थिति नहीं होती है, यह एक मानसिकता का भी परिणाम होती है। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक अपनी स्थिति में बदलाव करना मुश्किल है। यह बदलाव कैसे संभव है, इसके लिए क्या जरूरी है, हमें जरूर जानना चाहिए।

पैसा नहीं सोच बनाती है हमें अमीर या गरीब

गरीबी, हमारे देश-समाज में एक ऐसी समस्या है, जिसे खत्म करने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किए गए। इसके लिए हर प्रकार की योजनाएं, कार्यक्रम और अभियान चलाए गए, फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं पाया जा सका। इसका एक कारण यह है कि इस समस्या को केवल एक आर्थिक स्थिति मानकर ही इसका हल खोजा जाता रहा है, जबकि यह समस्या केवल आर्थिक अभाव की स्थिति नहीं है, बल्कि इससे बढ़कर यह एक मानसिक स्थिति भी है।

सोच रखती है मायने: गरीब होना केवल पैसों की कमी का नाम नहीं होता है, बल्कि यह उस सोच का भी परिणाम है, जो किसी को गरीबी के जाल से बाहर निकलने से रोकती है। कई बार लोग गरीबी को केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके अनुसार, गरीबी मिटाने का समाधान केवल धन है। लेकिन, क्या सचमुच ऐसा है? यदि केवल आर्थिक मदद से गरीबी दूर हो सकती, तो अब तक दुनिया से गरीबी का नामो-निशान मिट चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

मानसिकता होती है जिम्मेदार: आर्थिक स्थिति के साथ-साथ गरीबी उस मानसिकता का परिणाम है, जिसमें इंसान अपने आप को परिस्थितियों का गुलाम मान लेता है। ऐसी सोच वाले लोग अपनी स्थिति को बदलने का प्रयास ही नहीं कर पाते। आपने कई बार देखा और सुना होगा कि कुछ परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी गरीब रहते हैं। इसका कारण केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वह मानसिकता है, जो उनकी हर पीढ़ी को विरासत में मिलती है। बच्चे अपने परिवार के वातावरण और सोच को आत्मसात कर लेते हैं। जब वे अपने माता-पिता को यह कहते सुनते हैं, 'हम तो हमेशा से गरीब हैं', या 'गरीबी के साए में पलना-बढ़ना ही हमारी किस्मत में है', तो उनके मन ही नहीं, बल्कि जीवन में भी यही विश्वास घर कर जाता है। और यही विश्वास फिर धीरे-धीरे उनकी सोच और व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इस प्रकार, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह मानसिकता हस्तांतरित होती रहती है और गरीबी नाम का यह साया और भी काला होता चला जाता है।

सही सोच से संभव है बदलाव: गरीबी की कैद से बाहर निकलने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी असली चाबी है सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प। वे ही लोग गरीबी से बाहर निकल सके हैं, जिन्होंने सबसे पहले अपनी सोच और मानसिकता बदली। उन्होंने यह समझा कि गरीब होना स्थायी स्थिति नहीं है। वे समझते हैं कि यदि वे मेहनत करें, अपने हुनर को पहचानें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो वे अपनी स्थिति को बदल सकते हैं।

आत्मविश्वास से बदलेंगे हालात: सोच के समृद्ध होने का मतलब केवल बड़े सपने देखना भर नहीं होता है। इसका मतलब है, हर चुनौती को अवसर के रूप में देखना और लगातार प्रयास करते रहना। साथ ही यह ठान लेना कि इस स्थिति से बाहर निकलना ही है। जब तक यह विश्वास नहीं होगा कि आप अपनी स्थिति बदल सकते हैं, तब तक कोई भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा। इसलिए अपनी स्थिति सुधारने के लिए सबसे पहले मानसिकता बदलने की जरूरत है।

खुद पर विश्वास करना गरीबी से बाहर निकलने की पहली सीढ़ी है। जब आप यह मानेंगे कि आप बदलाव ला सकते हैं, तभी आप प्रयास करेंगे। ज्ञान और कौशल वह हथियार हैं, जिनसे आप किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकते हैं। नए कौशल सीखें और अपने आप को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं। नकारात्मक विचारों को त्यागें और हर समस्या में समाधान ढूंढ़ने की आदत डालें। अगर हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं, अपने आप पर विश्वास रखें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो हम गरीबी से बाहर निकल सकते हैं। *

फैशन ट्रेंड
विवेक कुमार

अगर आप ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ-साथ आपको फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी दे, तो स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर आपके लिए परफेक्ट च्वॉइस हो सकती है।

कूल फैशन का ऑप्शन एथलीजर-स्पोर्ट्स वियर

इन दिनों युवाओं में स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर वियर ऐसी ड्रेस होती हैं, जिन्हें खासतौर से स्पोर्ट्स या जिम एक्टिविटीज के लिए डिजाइन किया जाता है। मसलन जॉगर्स, ट्रैक पैंट्स, लेगिंग्स, क्रॉप टॉप्स, हूडीज, स्नीकर्स और जैकेट्स आदि। ये ड्रेसेस डेली यूज के लिहाज से भी कंफर्टेबल और स्टाइलिश होते हैं। यह फैशन आमतौर पर युवा ही कैरी करते हैं, क्योंकि इसे कैरी करने के लिए बॉडी फिटनेस और फ्लैक्सिबिलिटी बहुत जरूरी है, तभी ये बेस्ट अपीयरेंस देती है।

क्यों बढ़ रहा है क्रेज: हाल के सालों में युवाओं में फिटनेस को लेकर क्रेज बढ़ा है, ज्यादा से ज्यादा यंगस्टर्स वर्कआउट करते हैं। आज के फिटनेस फ्रीक यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल और फैशनेबल होने के साथ-साथ उनकी फिटनेस को शो-ऑफ भी करे। ये सारी क्वालिटीज उन्हें स्पोर्ट्स और एथलीजर वियर में एक साथ मिल जाती हैं। ये ड्रेस ग्लोबल और ट्रेंडी फैशन का हिस्सा हैं। चाहे बॉलीवुड या हॉलीवुड के सितारे हों, मशहूर खिलाड़ी हों, बिजनेस टाईकून हों या किसी भी क्षेत्र के कामयाब युवा हों, वे फिट और स्मार्ट दिखने के लिए आजकल स्पोर्ट्स वियर को फैशन की तरह कैरी कर रहे हैं, इसलिए भी ये ड्रेसेस युवाओं को बहुत पसंद आ रही हैं। वे खूब चाव से इन्हें पहनते हैं।

होते हैं कंफर्टेबल-मल्टीपर्पस: एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर हल्के, कंफर्टेबल और स्ट्रेचेबल फैब्रिक से बनाए जाते हैं। ये बॉडी के लिए ब्रिथेबल (सांस लेने योग्य) होते हैं, जिस कारण इन्हें लंबे समय तक पहना जा सकता है। साथ ही ये मल्टीपर्पस और मल्टीस्टाइल होते हैं। जिम, कैजुअल आउटिंग या ऑफिस के लिए भी ये उपयुक्त समझे जाते हैं।

हर प्राइस रेंज में अवेलेबल: मार्केट में हर प्राइस रेंज में एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर अवेलेबल हैं। डिफरेंट ब्रांड्स और क्वालिटी के हिसाब से 500 से 1500 रुपए के लोअर रेंज, 1500 से 5000 रुपए के मिड रेंज और 5000 रुपए से शुरू होने वाले हाई-एंड रेंज में आपको ये स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर मिल जाएंगे।

जब कैरी करें स्पोर्ट्स-एथलीजर: जब भी आप एथलीजर या स्पोर्ट्स वियर कैरी करें तो फिटिंग का ध्यान जरूर रखें। अधिक लूज स्पोर्ट्स वियर अटपटे लगते हैं। ये हमेशा फिट होने चाहिए। हालांकि इतने टाइट भी न हों कि आप असहज महसूस करें। दूसरी जो बात सबसे ज्यादा ध्यान देने की है कि आपके स्पोर्ट्स वियर का मैटीरियल क्या है? वास्तव में ये स्वेट विकिंग यानी पसीना सोखने वाला होना चाहिए और ब्रीथेबल यानी सांस लेने में योग्य तो होना ही चाहिए। स्पोर्ट्स वियर को हमेशा जितना संभव हो सादगी से पहनें। ये कैजुअल आउटिंग के लिए ही ठीक हैं। कभी फॉर्मल इवेंट में इन्हें कैरी करके न जाएं।

इन बातों का भी रखें ध्यान: न्यूट्रल और मोनोक्रोम लुक्स (जैसे-ब्लैक, व्हाइट, ग्रे) वाले एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर इन दिनों ट्रेंड में हैं। इन्हें कैरी करते समय अपने शूज का भी ध्यान रखना जरूरी है। इनके साथ आप हमेशा क्लीन और ट्रेंडी स्पोर्ट्स शूज या स्नीकर्स ही कैरी करें। स्पोर्ट्स वियर में लेयरिंग लुक भी खूब पसंद की जाती है। लेयरिंग लुक हुडीज, जैकेट्स आदि से मिलती है। लेयरिंग लुक स्पोर्ट्स वियर के साथ बेहतरीन और स्टाइलिश कॉम्बिनेशन बनाती है। जहां तक स्पोर्ट्स वियर के साथ एक्सेसरीज की बात है तो वाच, कैप या स्लिंग बैग जैसे हल्के एक्सेसरीज स्पोर्ट्स वियर को 'वॉव' लुक देते हैं। लेकिन ओवर ड्रेसिंग से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात
पूजा सामंत

कुछ समय पहले नेटफ्लिक्स पर 'ब्लैक वारंट' वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसमें जेलर सुनील कुमार गुप्ता के लीड रोल में जहान कपूर नजर आ रहे हैं। बीते दौर के मशहूर अभिनेता शशि कपूर के ग्रैंडसन जहान ने इस वेब सीरीज से जुड़े एक्सपीरियंस और एक्टिंग करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए इस बातचीत में।

मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी: जहान कपूर

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवानी के प्रोडक्शन में बनी वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार बहुत ही मैच्योर तरीके से निभाया है। हाल में पृथ्वी थिएटर में जहान कपूर से बातचीत हुई। पेश है इसके प्रमुख अंश-

हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में लीड एक्टर के तौर पर आपका सेलेक्शन कैसे हुआ?

'ब्लैक वारंट' की कास्टिंग मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबरा ने की थी, उसमें मैंने भी ऑडिशन दिया। ऑडिशन के 2-3 महीने बाद मुझे विक्रमादित्य मोटवानी के ऑफिस से कॉल आया। मैं उस वक्त मकरंद देशपांडे के निर्देशन में 'सियाचिन' नाटक में मुख्य भूमिका निभा रहा था। विक्रमादित्य सर के साथ काफी बातचीत और 2-3 मीटिंग्स के बाद मुझे जेलर सुनील कुमार गुप्ता के रोल के लिए सेलेक्ट कर लिया गया।

जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी?

यह वेब सीरीज एक किताब 'ब्लैक वारंट : कंफेशन ऑफ ए तिहाड़ जेलर' पर आधारित है। इसे लिखा है खुद सुनील गुप्ता और सुनेत्रा चौधरी ने। मैंने सबसे पहले इस किताब को बारीकी से पढ़ा। मेरे रोल और लुक को लेकर काफी डिस्कशंस हुए। मूंछें पतली रखी जाएं या मोटी, बालों को कैसे रखा जाए, यूनिफॉर्म पहन कर कैसी चाल होगी, मेरा चलना शुरू में कैसे होगा, बाद में कैसे होगा? हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान दिया गया। इस कहानी में मेरे किरदार के कई पहलू हैं। सुनील गुप्ता के मेंटल स्टेजेस को प्रेजेंट करना काफी मुश्किल था, किताब पढ़ने के बाद मुझे इसमें काफी हेल्प मिली। अब जब इस वेब सीरीज में मेरी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है, तो बहुत अच्छा लग रहा है। इसका श्रेय मैं इस शो की पूरी टीम को दूंगा।

वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' के एक सीन में जहान कपूर

जेलर सुनील गुप्ता के किरदार से आप खुद को कितना रिलेट करते हैं?

यह सच है कि एक पारिवारिक संस्कारी युवक से सुनील कैसे गाली-गलौज करने वाले जेलर बन जाते हैं, कैसे कैदियों की फांसी देखते-देखते उनका दिल डेड जैसा हार्ड हो जाता है, इसे समझना बहुत मुश्किल था। जहां तक रियल लाइफ में सुनील कुमार गुप्ता के किरदार से रिलेट करने की बात है, तो मेरा फैमिली बैकग्राउंड उनसे पूरी तरह से अलग है। सिर्फ इतना कह सकता हूं कि सुनील की तरह ही मेरा स्वभाव भी सिंपल-सोबर है। मैं भी सुनील की तरह शांतिप्रिय और पॉजिटिव इंसान हूं।

क्या आपने अभिनय में आने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कपूर परिवार के ज्यादातर लोग अभिनय से जुड़े रहे हैं?

यह सच है कि हमारे परिवार का लगभग हर दूसरा सदस्य एक्टिंग से जुड़ा है, लेकिन इसी वजह से मैंने भी यही राह पकड़ी ऐसा नहीं है। मेरी मां 'शोले' फेम निर्देशक रमेश सिप्पी की पुत्री शीना सिप्पी एक जानी-मानी फोटोग्राफर और पिताजी कुणाल कपूर एक्टर के साथ पृथ्वी थिएटर के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। मुझे जब स्कूल में दाखिल किया गया तो सभी को अहसास हुआ कि मैं डिस्लेक्सिक हूं। मुझे पढ़ने में दिक्कत हो रही थी। मेरे मम्मी-पापा ने तुरंत इसका ट्रीटमेंट शुरू करवाया, तब जाकर मैं इससे बाहर निकला। इस वजह से मेरे करियर को लेकर बहुत ज्यादा प्लानिंग नहीं हुई। दसवीं क्लास के एग्जाम्स के बाद मैं पृथ्वी थिएटर से जुड़ गया। वहां बैक-स्टेज, सेट-डिजाइनिंग से लेकर प्रोडक्शन इंचार्ज तक, मुझे जो भी काम मिलता था, मैं कर लेता था। ग्रेजुएशन करने के दौरान ही मेरी मां ने मुझे एक एड एजेंसी में काम करने भेजा। मैंने इस एड एजेंसी में कॉपी राइटिंग, को-ऑर्डिनेशन से लेकर मॉडल शूट तक हर डिपार्टमेंट में काम सीखा। इन सबके बीच 'पृथ्वी थिएटर' के नाटकों में मेरा अभिनय भी चल रहा था। इसी तरह मुझे एक्टिंग से लगाव हुआ, और निर्देशक हंसल मेहता ने मुझे अपनी फिल्म 'फराज' में मौका दिया। इस तरह फिल्मों में बतौर एक्टर मैंने करियर बनाना डिसाइड कर लिया।

क्या कपूर परिवार का होने की वजह से आप प्रेशर भी फील करते हैं?

अभिनय की दुनिया में कपूर परिवार को सौ वर्ष हो चुके हैं। मैं शशि कपूर का पोता हूं। लोग आज कहते है मुझ में दादाजी (शशि कपूर) की छवि नजर आती है, यह सुनकर मुझे अच्छा लगता है, लेकिन उन्होंने जो महारत, जो मुकाम हासिल किया, क्या मैं वो क्या हासिल कर सकता हूं? पता नहीं! जाहिर-सी बात है मुझसे भी दर्शकों को कई उम्मीदें होंगी। मेरी तुलना लोग रणबीर, करीना, करिश्मा से भी करते होंगे। लेकिन इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता कि इंसान को आगे बढ़ने के लिए टैलेंट के साथ किस्मत का साथ होना निहायत जरूरी होता है। और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हर किसी की किस्मत अलग ही होती है। हाथ की पांचों अंगुलियां एक समान होती हैं क्या? प्रतिभा है, पर मौके न मिलें तो प्रतिभा कैसे उजागर होगी? मैं कपूर खानदान से जुड़ा हुआ हूं, सिर्फ इसलिए घर पर बैठे-बैठे काम का इंतजार नहीं करता रहूंगा। मैं खुद कोशिशें करता रहूंगा। ऑडिशन देता रहूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी। *

घर में वे सिर्फ मेरे दादाजी थे...

अपने दादाजी (शशि कपूर) को जहान कैसे याद करते हैं, उनकी कौन सी फिल्में उन्हें पसंद हैं पूछने पर जहान बताते हैं, 'फिल्मी पर्दे पर तो वे शशि कपूर थे, द अल्टीमेट हैंडसम हीरो। लेकिन घर में मुझे प्यार करने वाले, वे सिर्फ मेरे दादाजी थे। मेरी अंगुली पकड़ कर मुझे आइसक्रीम खिलाने ले जाते थे। अकसर मुझे और मेरी सिस्टर शायरा को इंग्लिश फिल्म दिखाने ले जाते थे। बहुत सुनहरे दिन थे वो। जहां तक उनकी फेवरेट फिल्म की बात है तो दादाजी की हर फिल्म तो मैंने देखी नहीं, लेकिन 'दो और दो पांच', 'कलयुग', 'शर्मिली', 'दीवार', 'जूनून', 'आ गले लग जा' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं।'